

जम्मू-कश्मीर सरकार ने आतंकी संबंधों के चलते तीन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया

एजेंसी
श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने मंगलवार को आतंकी संगठनों के लिए काम करने के आरोप में 3 सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। बर्खास्त किए गए सरकारी कर्मचारी सुरक्षाबलों और नागरिकों पर आतंकी हमले करने में आतंकवादियों की मदद कर रहे थे इसलिए उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था। जेल में बंद तीन बर्खास्त कर्मचारियों में पुलिस

कांस्टेबल मलिक इश्फाक नसीर, स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षक एजाज अहमद और श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में जूनियर असिस्टेंट वसीम अहमद खान शामिल हैं। मलिक इश्फाक नसीर को 2007 में जम्मू-कश्मीर पुलिस में कांस्टेबल के रूप में भर्ती किया गया था। उसका भाई मलिक आसिफ नसीर लश्कर का पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादी था। उसे 2018 में एक मुठभेड़ के दौरान

सुरक्षाबलों ने मार गिराया था। हालांकि, मलिक ने अपनी आतंकी गतिविधियों को बेखूफ जारी रखा और पुलिस कांस्टेबल होने के नाते वह किसी भी संदेह से बचने में सक्षम था। पुलिस के अनुसार मलिक का लश्कर से संबंध सितंबर, 2021 में उजागर हुआ था, जब जम्मू-कश्मीर पुलिस जम्मू क्षेत्र में हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी से संबंधित एक मामले की जांच कर रही थी। पुलिस कांस्टेबल



होने के बावजूद वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को हथियार, विस्फोटक और नशीले पदार्थ गिराने में

मदद कर रहा था। इन खेपों को जीपीएस तकनीक से निर्देशित किया जाता था। पुलिस के अनुसार मलिक न केवल सुरक्षित स्थान को पहचान कर रहा था, बल्कि पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के आकाओं के साथ जानकारी साझा कर रहा था। वह जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में आतंकवादियों को हथियार और गोला-बारूद भी इकट्ठा करके वितरित कर रहा था, जिससे वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर

आतंकवादी हमले करने में सक्षम हो सके। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षक एजाज अहमद हिजबुल मुजाहिदीन के लिए काम कर रहा था। उसे 2011 में शिक्षक के तौर पर भर्ती किया गया था। वह पुंछ क्षेत्र में हिजबुल मुजाहिदीन का भरोसेमंद आतंकी सहयोगी बन गया था। वह हथियार, गोला-बारूद और नशीले पदार्थों की तस्करी में आतंकी संगठन

की सक्रिय रूप से मदद कर रहा था। उसके आतंकी संबंध नवंबर, 2023 में उजागर हुए, जब पुलिस ने नियमित जांच के दौरान एजाज और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि दोनों एजाज को टोयोटा फॉर्च्युनर में हथियार, गोला-बारूद और एचएम के पोस्टर ले जा रहे थे। आगे की जांच में पता चला कि यह खेप उसके हैंडलर अबिद रमजान शेख के निर्देश पर प्राप्त हुई

थी, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकवादी है। यह खेप कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों को सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमले करने के लिए पहुंचाई जानी थी। उन्होंने कहा कि जांच में आगे पता चला कि एजाज पिछले कई सालों से हथियारों और गोला-बारूद की बड़ी खेप हासिल करके कश्मीर घाटी में आतंकवादियों तक पहुंचा रहा था।

उत्तरी सिक्किम में फंसे 34 लोगों को हेलीकॉप्टर से पाकिम पहुंचाया गया

एजेंसी
गंगटोक। उत्तरी सिक्किम में फंसे 34 लोगों का पहला जत्था मंगलवार को पाकयोंग ग्रीनफील्ड अवाई अड्डा पर सुरक्षित पहुंच गया। मंगलवार सुबह 34 लोगों को लेकर दो एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर उत्तरी सिक्किम के छतेन से उड़ान भरकर पाकयोंग हवाई अड्डे पर उतरे। बचाए गए लोगों में घायल सैन्यकर्मों भी शामिल हैं, जिनका फिलहाल इलाज चल रहा है। अन्य लोगों में घायल सैनिकों के परिवार और क्षेत्र में फंसे पर्यटक शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले रविवार को छतेन में एक सैन्य शिविर पर भूस्खलन होने से तीन सैनिकों की मौत हो गई थी तथा चार अन्य घायल हो गए थे। घटनास्थल पर छह लोग अभी भी लापता हैं। उत्तरी सिक्किम में भारी बारिश के कारण भूस्खलन के कारण सड़क संपर्क बाधित हो गया है। उत्तरी सिक्किम में फंसे पर्यटकों के लिए हेलीकॉप्टर से बचाव अभियान शुरू हो गया है। हालांकि, प्रतिकूल मौसम के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है।



अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरु

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में श्रीराम दरबार की मूर्तियों के प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान मंगलवार से वैदिक विधि विधान से शुरू हो गया है। परिसर की चबूतरा में सुबह 6:30 बजे से पूजा-अनुष्ठान चल रहे हैं, जिसमें 1975 मंत्रों के साथ अग्नि देवता को आहुति दी जाएगी। इसके साथ ही रामरक्षा स्तोत्र, हनुमान चालीसा और अन्य भक्ति भजनों का पाठ किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना सहित परकोटे में स्थित छह अन्य मंदिरों में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान चल रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से आयोजित यह समारोह 5 जून को गंगा दशहरा के दिन शुभ अवसर पर पूर्ण होगा। मुख्य समारोह 5 जून को होगा, जिसमें राम दरबार (श्रीराम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान) की प्राण प्रतिष्ठा के साथ-साथ छह अन्य मंदिरों में देव प्रतिमाओं की स्थापना होगी। मुख्य प्राण प्रतिष्ठा 5 जून को अभिजीत मुहूर्त में सुबह 11:25 से 11:40 बजे के बीच संपन्न होगा। ट्रस्ट महामंत्री चंचल राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान काशी के विद्वान पंडित जयप्रकाश के नेतृत्व में 101 वैदिक आचार्य संपन्न करवा रहे हैं। इसके तहत 4 जून को विभिन्न अधिवास और पालकों यात्रा का आयोजन होगा, जबकि 5 जून को मुख्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा। समारोह में ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र संपत्तिक मुख्य यजमान हैं। कार्यक्रम में ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती, युगपुरुष परमानन्द महाराज, रामेश्वर दास श्री वैष्णव आदि उपस्थित हैं। इससे पहले आयोजन की शुरुआत सोमवार को मातृ शक्तियों की जल कलश यात्रा के साथ हुई थी। यह यात्रा सरयू नदी के पुराने आरती स्थल से शुरू होकर श्रृंगराट, हनुमानगढ़ी और दशरथ महल होते हुए राम मंदिर के यज्ञ मंडप पर समाप्त हुई थी।



पंजाब पुलिस ने तरनतारन से आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले गगनदीप सिंह को किया गिरफ्तार

तरनतारन। पंजाब पुलिस ने काउंटर-इंटेलिजेंस के साथ मिलकर एक बड़ी कार्रवाई में तरनतारन से गगनदीप सिंह उर्फ गगन को गिरफ्तार किया है। गगनदीप पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए जासूसी करने का आरोप है। वह ऑपरेशन सिंघूर के दौरान भारतीय सेना की गतिविधियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी साझा कर रहा था। पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि गगनदीप तरनतारन के मोहल्ला रोडपुर, गली नजर सिंह वाली का निवासी है। वह पिछले पांच साल से पाकिस्तान स्थित खालिस्तानी समर्थक गोपाल सिंह चावला के संपर्क में था। चावला के जरिए उसका संपर्क आईएसआई के संचालकों से हुआ। गगनदीप ने सेना की तैनाती और रणनीतिक स्थानों की गोपनीय जानकारी साझा की, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा थी। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया, जिसमें आईएसआई के 20 से अधिक संपर्कों का विवरण और साझा की गई खुफिया जानकारी मौजूद थी। डीजीपी ने बताया कि गगनदीप को आईएसआई से पैसे भी मिले थे। इस जासूसी नेटवर्क के अन्य कनेक्शनों का पता लगाने के लिए वित्तीय और तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। तरनतारन के पीएस सिटी पुलिस स्टेशन में अधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गगनदीप के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस इस मामले में गहन जांच कर रही है ताकि इस नेटवर्क के पूरे दायरे का खुलासा हो सके। डीजीपी गौरव यादव ने कहा, पंजाब पुलिस हमारे देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



असम में बाढ़ से 22 जिले प्रभावित

ब्रह्मपुत्र समेत 15 नदियां खतरे के निशान से ऊपर

एजेंसी
गुवाहाटी। लगातार बारिश से असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ब्रह्मपुत्र (निमातीघाट, तेजपुर), सुबनसिरी (बड़ाटीघाट), बुरीदिहिंग, धनसिरी (नुमलीगढ़), कपिली (कामपुर, धरमटुल), बराक (छोटा बेकरा, फुलेटल, एपी घाट, बीपी घाट), रुकनी (धोलाई), धलेस्वरी (धरमुरा), कटाखाल (मातिजुरी) और कुशियारा (श्रीभूमि) नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ से 22 जिले प्रभावित हैं। जिनमें लखीमपुर, नगांव, डिब्रूगढ़, माजुली, तिनसुकिया, शिवसागर, दरंग, गोलाघाट, कामरूप, मोरीगांव, होजाई, हैलाकांटी, धेमाजी, जोरहाट,



शोणितपुर, बिस्वनाथ, कामरूप (एम), कार्बी आंगलोंग, कार्बी आंगलोंग वेस्ट, डिमा हसाओ और श्रीभूमि जिले शामिल हैं। अब तक 1254 गांव बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। 5,15,039 लोग प्रभावित हुए हैं।

केंद्रों से सहायता ले रहे हैं। होजाई में एक पुरुष की मौत की पुष्टि हुई है। हैलाकांटी और दिब्रूगढ़ से एक-एक पुरुष लापता हैं। कुल 4,67,851 पशु प्रभावित हैं जिसमें 1,56,253 बड़े, 1,06,216 छोटे और 2,05,382 पोल्ट्री। गोलाघाट में 2 बड़े पशु और लखीमपुर में 92 (65 बड़े, 27 छोटे) पशु बह गए। लखीमपुर में 84 कच्चे मकान पूरी तरह और 43 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। राहत व बचाव कार्यों में एसडीआरएफ, फायर एंड इमरजेंसी सर्विस, इनलैंड वॉटर ट्रांसपोर्ट, स्थानीय प्रशासन व लोग शामिल हैं। 122 मेडिकल टीमें और 50 नावें तैनात की गई हैं। नावों से 711 लोगों और 130 पशुओं को सुरक्षित निकाला गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जाना असम में बाढ़ का हाल, सीएम सरमा बोले- पीएम के मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभारी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बाढ़ प्रभावित राज्य को प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से मिले आश्वासन पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि असम के लोग प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और अटूट समर्थन के लिए आभारी हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे असम में बाढ़ की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी लेने के लिए फोन किया। मैंने उन्हें बताया कि किस तरह असम और आसपास के राज्यों में लगातार बारिश के कारण बाढ़ आई है और इससे कई लोगों की जान पर असर पड़ा है।' सीएम सरमा ने पीएम मोदी की राहत अभियान के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'मैंने उन्हें राज्य सरकार सुबह असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मणिपुर के राज्यपाल अजय भल्ला से बात की। इस दौरान उन्होंने भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न हुई स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने उन्हें हर संभव मदद और समर्थन का आश्वासन दिया।

बिहार के सीवान में आंधी-तूफान से तबाही,सात लोगों की मौत, अनुग्रह राशि की घोषणा

● आंधी-तूफान के बीच हुई तेज बरसात के बीच बड़ी संख्या में पेड़ गिर गए हैं।

एजेंसी
पटना। बिहार में आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश से चौरफा तबाही हुई है। सोमवार देरशाम राज्य के सीवान जिले में इस प्राकृतिक आपदा में सात लोगों की जान चली गई। मृतकों में दो महिलाएं और एक बुजुर्ग शामिल हैं।

हो गई। बसंतपुर थाना क्षेत्र के बसांव गांव के 55 वर्षीय नंदकिशोर सिंह पर एक नीम का पेड़ गिर गया। उनकी मौके पर मौत हो गई। बसंतपुर थाना

कलपती देवी घर की दीवार गिरने से मलबे में दब गई और उनकी जान चली गई। माधोपुर गांव में विजय प्रसाद की पत्नी चंद्रवती



क्षेत्र विशुनपुरा गांव में 40 वर्षीय अलीमुन बेगम पर महुआ का पेड़ गिर गया। वह मौके पर जान गंवा बैठे। लकड़ी नवीरगंज थाना क्षेत्र बाजितपुर गांव के 35 वर्षीय व्यवसायी यूसुफ अली के कार पर बरगद का पेड़ गिर गया। इस हदसे में उनकी मौत हो गई। लखनौरा गांव में 52 वर्षीय

देवी आंगन में थीं। तभी आम का पेड़ उन पर गिर गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। जीबी नगर थाना क्षेत्र के सतवार गांव में 75 वर्षीय श्रीराम प्रसाद की झोपड़ी ढह गई। वह बाहर नहीं निकल सके और उनके प्राण पखेरू उड़ गए।

जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान भी जुमला साबित हुआ : मनीष सिसोदिया

● 'भाजपा की कथनी और करनी में सदा से ही अंतर रहा है'

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से 'जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान' का वादा किया गया था वह भी जुमला साबित हुआ। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक्स कर मंगलवार को कहा, 'जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान दिल्ली में भाजपा द्वारा दी गई यह चुनौती गारंटी थी एक जुमला साबित हुई। दिल्ली का मजदूर, घरेलू कामगार, रिकशाचालक और दिहाड़ी मजदूर जिनकी मेहनत से देश की राजधानी चलती है, आज उन्हीं की झुगियाँ बेदरदी से

बुलडोजर के नीचे कुचली जा रही हैं।' सिसोदिया ने कहा कि जिन विधायकों को जनता ने चुना था,



वो आज कहाँ हैं न जवाब मिल रहा है, न जमीन पर कोई दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि झुगियों में दी जाने वाली बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाएँ तो छोटी, अब तो मेहनत से बनाई गई छत भी इनसे छीन ली गई है। क्या यही है 'सबका साथ, सबका विकास' आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सीरम भारद्वाज ने कल आरोप लगाया था कि भाजपा की कथनी और करनी में सदा से ही अंतर रहा है। भाजपा ने गरीब झुग्गी वालों से चुनाव से पहले पक्का मकान देने का वादा किया था और अब जब दिल्ली में भाजपा की सरकार बन गई है, तो मकान देने के बजाय उनकी झुगियाँ पर बुलडोजर चलाकर इन गरीब लोगों को घर से बेघर कर रही है।

धनखड़ चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश की तीन दिवसीय यात्रा पर

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पांच जून से सात जून तक चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश की तीन दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को यहां बताया कि यात्रा के दौरान श्री धनखड़ की पत्नी और डॉ. सुदेश धनखड़ भी साथ होंगी। उप राष्ट्रपति हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों की भी संवाद करेंगे। डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना एक दिसंबर, 1985 को बागवानी, वानिकी और संबंधित विषयों के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।



उप राष्ट्रपति हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों से भी संवाद करेंगे।

तमिलनाडु सीबी-सीआईडी ने करोड़ों रुपये के इरीडियम कॉपर घोटाले का किया पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

एजेंसी
चेन्नई। तमिलनाडु अपराध शाखा की सीआईडी विंग ने एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुए करोड़ों रुपये के इरीडियम कॉपर घोटाले का पर्दाफाश किया है और इस संबंध में छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें आरबीआई अधिकारी बनकर अपराध को अंजाम दिया था। सीबी-सीआईडी की मंगलवार को यहां जारी विज्ञापन में कहा गया कि गिरफ्तार किये गये

लोगों में तमिलनाडु के पांच और तेलंगाना का एक व्यक्ति शामिल है तथा उनके पास से कई आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद की गयी है। यह तमिलनाडु और पड़ोसी राज्यों में कुछ समूहों द्वारा अनधिकृत जमा राशि एकत्रित करके जनता को धोखा देने का मामला है, जिसमें दावा किया गया कि इरीडियम तांबे की बिक्री के लिए आरबीआई के माध्यम से केंद्र सरकार से कई हजार करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। वे यह कहकर भी उगी

कर रहे थे कि आरबीआई को सेवा शुल्क देना होगा और उक्त राशि जारी करने के लिए आरबीआई के उच्च अधिकारियों को कमीशन देना होगा। ये घोटालेबाज पीड़ितों को विश्वास दिलाने के लिए नकली आरबीआई बॉन्ड दिखाकर करोड़ों रुपये के रिटर्न का आश्वासन दे रहे थे। यह घोटाला तब सामने आया जब फरवरी 2024 में एक व्यक्ति द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक की सचेत वेबसाइट पर असंगठित निकायों द्वारा स्वीकार किए

गए अनधिकृत जमा के खिलाफ शिकायत दर्ज की गयी। इसके बाद, मई 2024 में आरबीआई के सहायक महाप्रबंधक ए.जे. के.एन.डी. द्वारा चेन्नई पुलिस आयुक्त से शिकायत की गई और इसे सीबी-सीआईडी को भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच करने के बाद, एलेम ओसीयू सीबी-सीआईडी इकाई में धारा 419, 465, 468, 471, 420 आईपीसी और 66डी सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के साथ पांच प्रतीक और नाम

(अनुचित प्रयोग की रोकथाम) अधिनियम, 1950 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया और मार्च 2025 में जांच के लिए भेजा गया। जांच के दौरान, तमिलनाडु के तंजावुर जिले के नित्यानंदम और चंद्रा को गिरफ्तार किया गया और 28 मई को रिमांड पर लिया गया। आगे की जांच में चार और आरोपियों अंबुमणि निवासी धर्मपुरी, मुथुसामी निवासी सेलेम, केशवन निवासी सेलेम तथा गंडी चर्ला किशोर कुमार निवासी तेलंगाना को

गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्हें हिरासत में भेज दिया गया। विज्ञापन में कहा गया कि आरोपियों के पास से सोने के रंग की धातु, कुछ जाली दस्तावेज, मोबाइल फोन और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। पूछताछ से पता चला कि आरोपियों ने तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में कई लोगों को ठगा है। अब तक चेन्नई, तंजावुर, कोयंबटूर, सेलेम, नमककल और धर्मपुरी के लगभग 20 पीड़ितों की पहचान की गई है।

एनडीएमसी ने जागरूकता के लिए रिसाइकिल मेला एवशन किट, बुकलेट और पोस्टर लॉन्च किए

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने व्हाई वेस्ट वेडनसडे फाउंडेशन के साथ मिलकर रिसाइक्लिंग को आगे बढ़ाने जागरूकता से कार्रवाई तक थीम के तहत शुरूआत की। इस रिसाइक्लिंग मेला श्रृंखला के तहत एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्र ने एनडीएमसी के सचिव ताकि थॉमस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नई दिल्ली के कर्नाट प्लेस में रिसाइक्लिंग मेला कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए केशव चंद्र ने कहा कि एनडीएमसी क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण में सबसे पहला चेहरा हमारे स्वच्छता सेवकों का है, जो इस क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के लिए दिन-रात मेहनत से काम करते हैं। आजकल एनडीएमसी चार कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। जिसमें स्वच्छता, हरियाली, सड़कों और फुटपाथों का रखरखाव और अतिक्रमण मुक्त सार्वजनिक स्थान शामिल हैं। स्वास्थ्य, बागवानी, सिविल और प्रवर्तन विभाग की एक पूरी टीम बनाई गई है, जो रोजाना सुबह और शाम इन चारों कार्यों पर समन्वय से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी के इन विभागों की टीम पूरी लगन और उत्साह के साथ सक्रिय रूप से मैदान में उतरी हुई है जिसका रद्धान और परिणाम नई दिल्ली क्षेत्र में देखे जा सकते हैं। एनएमडीसी की टीम का आह्वान करते हुए चंद्र ने कहा कि हमें हर दिन पूरे जोश और समर्पण के साथ काम करना होगा, ताकि एनडीएमसी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप एक राजधानी की तरह स्वच्छता और हरियाली का एक सुंदर शहर बन सके।

सिरफिरे आशिक ने युवती की चाकू घोंपकर हत्या की, गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के महरीली इलाके में एक सिरफिरे आशिक ने 18 वर्षीय युवती की चाकू से घोंपकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपित ने युवती के शव को जलाने की भी कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सका। हत्या के करीब 22 घंटे बाद पुलिस ने युवती का शव महरीली स्थित संचय जय से बरामद किया है। शव मिलने के बाद दो जिलों की पुलिस सीमा विवाद में उलझ गई। करीब दो घंटे तक चले सीमा विवाद के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने दखल दिया और दक्षिणी दिल्ली के महरीली थाने में हत्या और अन्य घराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 18 वर्षीय महक जैन परिवार के साथ जहर्नीपुरी इलाके में रहती थी। परिवार में माता-पिता के अलावा एक बड़ी बहन है, जो निजी कंपनी में नौकरी करती है और नौएड्डा में रहती है। पिता राकेश चांदनी चौक स्थित एक कपड़े की दुकान पर नौकरी करते हैं। परिवार मूलतः उत्तर प्रदेश के मथुरा का रहने वाला है। महक जैन दिल्ली विश्वविद्यालय के ओपन से प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। वह अपनी क्लास लेने के लिए विवेक विहार स्थित विवेकानंद कॉलेज जाती थी।

चांदनी चौक इलाके में फायरिंग कर दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान से 35 लाख लूटे

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के चांदनी चौक इलाके में एक ज्वेलरी दुकान पर दिनदहाड़े बंदमाशों ने फायरिंग की और ज्वेलरी दुकान से 35 लाख रुपये लूट कर फरार हो गए। दुकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। पुलिस बंदमाशों को तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार चांदनी चौक के कटरा नील के सामने ज्वेलरी की दुकान है। दोपहर के समय दुकान पर अचानक फायरिंग होने लगी। इसी बीच कुछ बंदमाश ज्वेलरी दुकान में घुस गए और डरा धमका कर शोरूम के कैशियर विक्की जैन से 35 लाख रुपये लूटकर साथियों के साथ फरार हो गए। लूट की वारदात के बाद दुकान मालिक ने आनन-फ़ानन में पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस को एक टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल व पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 14.30 बजे कटरा नील, चांदनी चौक में लूट के संबंध में एक पीसीआर कॉल थाना लाहौरी गेट में प्राप्त हुई। मौके पर मौजूद दुकान के कैशियर विक्की जैन (40) ने घटना की जानकारी दी। जांच के दौरान विक्की के ऑफिस का दरवाजा टूटा पाया गया। विक्की जैन ने बताया कि दो व्यक्ति उसके ऑफिस में आए और कांच के दरवाजे पर गोली चलाकर करीब 35 लाख रुपये लूट ले लिए। इस दौरान उनके साथ एक और शख्स था, जो सीढ़ियों से नीचे खड़ा था।

युवक की गोली मारकर हत्या, पहचान छिपाने के लिए जलाने का किया प्रयास

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर थाना क्षेत्र में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, फिर आरोपितों ने शव को जलाने की भी कोशिश की। सड़क के किनारे झाड़ियों में अर्धजली लाश देखकर लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोमवार देर रात तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपितों का पता लगाने में जुट गई। इसके अलावा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से भी पुलिस आरोपितों का पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतक युवक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

देश में कोरोना के एक्टिव केस 4 हजार के करीब, 24 घंटे में 6 मौतें, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

एजेंसी नई दिल्ली। भारत में एक बार फिर कोरोना वायरस चिंता बढ़ रहा है। बीते कुछ दिनों में संक्रमण के मामलों में तेज उछाल देखा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 3976 हो चुकी है। महज 10 दिनों में संक्रमितों की संख्या में 15 गुना इजाफा हुआ है, जो एक गंभीर संकेत है। केरल इस वक्त सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य बना हुआ है, जहां 1435 एक्टिव केस दर्ज किए गए हैं। महाराष्ट्र में भी हालात चिंताजनक हैं, जहां 506 मरीज अभी इलाजरत हैं। इसके अलावा कर्नाटक में भी मामले तेजी से सामने आ रहे हैं, यहां 238 एक्टिव केस हैं। पिछले 24 घंटों में 6 लोगों की मौत कोरोना से हो चुकी है, जिससे इस लहर में जान गंवाने वालों की कुल संख्या 34 हो गई है। अरुमदाबाद में 18 साल की गर्भवती युवती और 47 वर्षीय महिला की मौत हो गई। रविवार को दिल्ली में 22 साल की युवती और तमिलनाडु में

अमित शाह की अध्यक्षता में अन्न भंडारण योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

नई दिल्ली। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित सहकारिता मंत्रालय में सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और मुरलीधर मोहोले के अलावा सहकारिता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, उपभोक्ता मंत्रालय, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), नाबार्ड, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) सहित अन्य संगठनों के अधिकारी उपस्थित थे। अमित शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने की दिशा में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना

एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि देश में आर्थिक प्रगति को मापने के

की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण रोजगार के अवसरों को



दो प्रमुख मापदंड हैं, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और रोजगार सृजन। अन्न भंडारण योजना इन दोनों पहलुओं को सशक्त बनाने का माध्यम है, जिसका उद्देश्य प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस)

सृजित करना है। शाह ने कृषि अवसररचना निधि (एआईएफ) के अंतर्गत ऋण अवधि के विस्तार से पीएसीएस की वित्तीय स्थिति में सुधार हेतु त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। केंद्रीय

सहकारिता मंत्री ने अन्न भंडारण योजना में पीएसीएस की व्यापक भागीदारी पर बल देते हुए कहा कि यह जरूरी है कि पीएसीएस को इस योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए ताकि उनकी वित्तीय व्यवहार्यता और सामाजिक प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने एफसीआई, एनसीसीएफ, नेफेड और राज्य वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशनों को पीएसीएस को अधिक से अधिक गोदामों से जोड़ने के लिए ठोस दिशा-निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राज्यों को अपने स्तर पर अधिक से अधिक पीएसीएस को इस योजना में शामिल करना चाहिए और राज्य स्तरीय मार्केटिंग फेडरेशनों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए, ताकि एक सर्पुर्ण सहकारी आपूर्ति श्रृंखला विकसित की जा सके।

नीट पीजी की 15 जून को होने वाली परीक्षा स्थगित, अब एक ही शिफ्ट में होगी

एजेंसी नई दिल्ली। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने नीट पीजी 2025 की परीक्षा स्थगित कर दी है। नीट पीजी की परीक्षा पहले 15 जून के लिए निर्धारित थी। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लिया गया है। पिछले सप्ताह एक याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने प्राधिकरण से एमबीबीएस और डेंटल कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए दो के बजाय एक ही पाली में परीक्षा आयोजित करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए एनबीईएमएस ने घोषणा की कि अब नीट-पीजी 2025 एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। इस निर्णय के लिए लॉजिस्टिक समायोजन की आवश्यकता है, विशेष रूप से परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाने और सभी उम्मीदवारों को एक साथ समायोजित

करने के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए आवश्यक है। एक आधिकारिक अधिसूचना में एनबीई ने कहा, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने डब्ल्यू.पी. संख्या 456/2025 में



आदेश दिया है कि हम, तदनुसार, प्रतिवादियों को एक शिफ्ट में नीट-पीजी 2025 परीक्षा आयोजित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश देते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि पूरी पारदर्शिता बनी रहे और सुनिश्चित केंद्रों की पहचान की जाए और उन्हें चालू किया जाए। इसके अनुसार एनबीईएमएस एक ही शिफ्ट में नीट-पीजी 2025 आयोजित करेगा।

एमसीडी वार्ड कमेटी चुनाव में आम आदमी पार्टी का दबदबा, चार जनों पर किया कब्जा

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की वार्ड कमेटीयों के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच में से चार जनों पर कब्जा बरकरार रखा है। पार्टी ने हुए चुनाव में सिटी एसपी, करोल बाग और वेस्ट जेन में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों पर जीत हासिल की, जबकि रोहिणी जेन में अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। 'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 15 वर्षों के पार्टी छोड़ने और भाजपा के समर्थन से नया गुट बनाने के बावजूद आम आदमी पार्टी ने चार जनों पर अपना दबदबा कायम रखा है। उन्होंने कहा, भाजपा का समर्थन मिलने के बाद भी नया गुट एक भी जेन में जीत नहीं सका। यह पार्टी की एकजुटता और जनता के विश्वास

की जीत है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सिटी एसपी जेन में आम आदमी पार्टी को पाण्डेयों का समर्थन भी मिला, जबकि सुंदर पार्टी



पाण्डेयों ने कोई क्रॉस वोटिंग नहीं की। सिटी एसपी जेन में स्थायी समिति सदस्य का चुनाव भी 'आप' ने जीत लिया। सिविक सेंटर में हुए इन चुनावों में आम आदमी पार्टी जिन जेनों में बहुमत था, वहां पूरी रणनीति और ताकत के साथ चुनाव लड़ा। परिणामस्वरूप, पार्टी को जीत भी हासिल हुई।आप उम्मीदवारों ने सिटी

एसपी जेन में अध्यक्ष पद पर विकास टांक, उपाध्यक्ष पर पूजा और स्थायी समिति सदस्य के रूप में राफिया माहिर विजयी रहे। करोल बाग जेन में अध्यक्ष पद पर पुनीत राय और उपाध्यक्ष पर कविता चौहान का कब्जा रहा। वेस्ट जेन में अध्यक्ष पद पर निर्मला कुमारी और उपाध्यक्ष पर साहिल गंगवाल विजयी हुए। रोहिणी जेन में अध्यक्ष पद पर अमृत जैन को जीत मिली। एमसीडी में आम आदमी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारांग ने सभी विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत पार्टी के सभी निगम पाण्डेयों की मेहनत और एकजुटता का परिणाम है। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी दिल्ली विधानसभा की तरह एमसीडी में भी एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगी और जनता की आवाज को हर मंच पर उठाएगी।

चार देशों के दौरे से लौटा सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का पहला गुप, 'आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेस' का दिया संदेश

एजेंसी नई दिल्ली। आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर बेनकाब करने के लिए गठित सर्वदलीय संसदीय डेलीगेशन का पहला गुप अपने चार देशों के सफल दौरे का समापन कर चुका है। डेलीगेशन ने बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और अल्जीरिया का सफल दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल ने भारत की विदेश नीति की नई दिशा को रेखांकित करते हुए आतंकवाद के प्रति भारत के 'जीरो टॉलरेस' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'न्यू नॉर्मास' का स्पष्ट और प्रभावी संदेश इन देशों तक पहुंचाया। इस प्रतिनिधिमंडल ने भिन्न-भिन्न राजनीतिक और धार्मिक पृष्ठभूमियों के बावजूद एक स्वर में भारत की प्राथमिकताओं को सामने रखा, जिससे भारत की 'इंडिया

फर्स्ट' नीति की गुंज चारों देशों में सुनाई दी। इस प्रतिनिधिमंडल के गुप का नेतृत्व वरिष्ठ सांसद बैजयंत जय

और क्षेत्रों से आए सांसदों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पूर्व विदेश सचिव और अमेरिका, बांग्लादेश और



पांडेय ने किया। डेलीगेशन में उनके साथ असदुद्दीन ओबेसी, गुलाम नबी अजाद, डॉ. निशिकांत दुबे, सतनाम सिंह संधू, एस फारनान कोन्याक और रेखा शर्मा जैसे विभिन्न दलों

थाईलैंड में भारत के राजदूत रह चुके तथा जी20 अध्यक्षता के मुख्य समन्वयक हर्षवर्धन श्रृंखला ने इस सफल दौरे को लेकर जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'ऑल-पार्टी संसदीय प्रतिनिधिमंडल के गुप-वन ने आज अपने चार देशों (बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और अल्जीरिया) के दौरे का समापन किया। इसने सफलतापूर्वक भारत का आतंकवाद के प्रति 'शून्य सहनशीलता' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नए सामान्य' का संदेश पहुंचाया। यह एक राजनीतिक, भाषाई और आध्यात्मिक रूप से विविध समूह था, जिसने 'इंडिया फर्स्ट' की भावना में एक स्वर में बात की। धन्यवाद सभी नेताओं को। भारत का यह कूटनीतिक अभियान 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले, भारत के निर्माण 'ऑपरेशन सिंदूर' और इसके बाद के घटनाक्रमों की पृष्ठभूमि में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता बनाना है।

असम की 'पुश बैक' नीति पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार, गुवाहाटी हाईकोर्ट जाने का निर्देश

एजेंसी नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार की 'पुश बैक' नीति के तहत 69 लोगों को बांग्लादेश वापस भेजे जाने की कार्रवाई को खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को गुवाहाटी हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता को गुवाहाटी हाईकोर्ट में याचिका दायर करने का निर्देश दिया है। यह याचिका ऑल बीटीसी माइनोंरिटी स्टूडेंट्स यूनियन ने दायर की थी, जिसमें असम सरकार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। याचिका में दावा किया गया है कि असम सरकार बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के लोगों को विदेशी नागरिक मानकर हिरासत में ले रही है और उन्हें बांग्लादेश सीमा के पास भेज रही है।खासकर सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले गरीब और वंचित भारतीय नागरिकों को बिना किसी जांच या सुनवाई के जबरन हिरासत में लिया जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि कई बार भारतीय नागरिकों को भी गलती से

विदेशी समझकर सीमा पर भेजा जा रहा है, जो उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि सरकार को निर्देश दिए जाए कि किसी को विदेशी नागरिक घोषित करने से पहले फॉरेन ट्रिब्यूनल द्वारा उचित सुनवाई की जाए। साथ ही, अपील का मौका देने और विदेश मंत्रालय से नागरिकता की पुष्टि होने तक किसी को भी सीमा पर न भेजा जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि असम सरकार की 'पुश बैक' नीति के तहत की जा रही कार्रवाई पारदर्शी नहीं है और इससे कई निर्दोष लोग प्रभावित हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गुवाहाटी हाईकोर्ट में ले जाने का निर्देश देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता वहां अपनी बात रख सकते हैं। कोर्ट ने इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने से मना कर दिया, जिससे याचिकाकर्ताओं को अब हाईकोर्ट में अपनी मांगें उठानी होंगी।

विदेशी समझकर सीमा पर भेजा जा रहा है, जो उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि सरकार को निर्देश दिए जाए कि किसी को विदेशी नागरिक घोषित करने से पहले फॉरेन ट्रिब्यूनल द्वारा उचित सुनवाई की जाए। साथ ही, अपील का मौका देने और विदेश मंत्रालय से नागरिकता की पुष्टि होने तक किसी को भी सीमा पर न भेजा जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि असम सरकार की 'पुश बैक' नीति के तहत की जा रही कार्रवाई पारदर्शी नहीं है और इससे कई निर्दोष लोग प्रभावित हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गुवाहाटी हाईकोर्ट में ले जाने का निर्देश देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता वहां अपनी बात रख सकते हैं। कोर्ट ने इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने से मना कर दिया, जिससे याचिकाकर्ताओं को अब हाईकोर्ट में अपनी मांगें उठानी होंगी।

दिल्ली में भक्त कवि जयदेव की विरासत और गीत गोविंद का जश्न

एजेंसी नई दिल्ली। नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट फॉर प्रमोशन ऑफ रिसर्च ऑन ओडिशा कल्चर एंड हेरिटेज (आईपीआरओसीएच) द्वारा आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक समारोह में 12वीं शताब्दी के संत-कवि भक्त कवि जयदेव की विरासत और गीत गोविंद का जश्न मनाया गया। इस समारोह में नृत्य, संगीत, शास्त्रीय ओडिसी बॉले, फिल्म और विद्वानों की बातचीत जैसे कार्यक्रमों का एक चयनात्मक मिश्रण था। गीत गोविंद पर आधारित ओडिसी नृत्य नाटिका समारोह का भावनात्मक केंद्र बिंदु ओडिसी नृत्य नाटिका मनीनी राधिका था, जिसे गुरु शेरिन लोवेन ने नृत्य निर्देशित और निर्देशित किया था। इस नृत्य नाटिका में विश्वनाथ मंगराज और निशा नंदा ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं। यह नृत्य नाटिका गीत गोविंद के मन भंजन अध्याय से अनुकूलित थी और इसमें राधा के कोमल क्रोध और कृष्ण के प्रार्थना को दर्शाया गया था।

संगीत और नृत्य प्रदर्शन समारोह में दूरदर्शन के वाह उस्ताद शो के विजेता सदीप मोहंती द्वारा गायन और विश्वजीत मोहापात्रा द्वारा एकल बांसुरी प्रदर्शन भी शामिल था। पहले दिन की शुरुआत जयदेव पर लिखे गए शब्द कीर्तन के साथ हुई, जिसमें भक्त जयदेव के सिख गुरुओं पर प्रभाव और गुरु ग्रंथ साहिब में उनके उल्लेख पर चर्चा की गई। अष्टपदी गीतों को वोकलिस्ट सुरेश सेठी और नाजिया आलम ने प्रस्तुत किया। इसके बाद ओडिसी, कथक और विलासिनी नाट्यम में शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शनों की एक शानदार श्रृंखला थी।

प्रसिद्ध कलाकारों रीत राजगुरु, कविता द्विवेदी, पूर्वाधनश्री और विश्वा लाल ने जयदेव की भक्ति कविता और सूफी रहस्यवाद के बीच सझा अनुनाद का अन्वेषण किया।समारोह का समापन 1987 की क्लासिक ओडिशा फिल्म जयदेव के प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें कवि के जीवन और आध्यात्मिक यात्रा को सिनेमाई श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रसिद्ध कलाकार चुगली कुमार साहू द्वारा नवागुंजर की 7 फीट की फाइबरग्लास मूर्ति की स्थापना भी की गई, जो कृष्ण के विश्व रूप का प्रतीक है।

एनसीईआरटी ने 5 लाख से अधिक नकली पाठ्य पुस्तकों सहित 20 करोड़ रुपए की मशीनरी जब्त की

एजेंसी नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने नकली पाठ्य पुस्तकों के निर्माण, वितरण और बिक्री में शामिल अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। पिछले

14 महीनों में, एनसीईआरटी ने संबंधित पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर 5 लाख से अधिक नकली पाठ्य पुस्तकें, बड़ी मात्रा में मुद्रण कागज और 20 करोड़ रुपये से अधिक की मशीनरी जब्त की है, जबकि 29 एफआईआर दर्ज की गई

हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर मुजफ्फरनगर के एक गोदाम पर छापेमारी कर 1.5 लाख नकली पाठ्य पुस्तकें जब्त की गईं, जिसकी कीमत 2 करोड़ रुपये से अधिक है।

एक ट्रक और दो कारों भी जब्त की गईं, जिनमें नकली पाठ्य पुस्तकें भरी हुई थीं। आठ आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा हरियाणा के समालखा में एक मुद्रण प्रेस पर छापेमारी कर बड़ी संख्या में मुद्रण प्लेटें, नकली पाठ्य पुस्तकें

और मशीनरी जब्त की गईं।एनसीईआरटी ने अपनी पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता में सुधार किया है। एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों का समय पर मुद्रण और बाजार में पर्याप्त संख्या में उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। नकली

पाठ्य पुस्तकों के मुद्रकों, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के खिलाफ सक्रिय कार्रवाई की जा रही है। मंत्रालय के अनुसार, काशीपुर में एक कागज मिल के खिलाफ कार्रवाई की गई, जो अवैध एनसीईआरटी वॉटरमार्कड पेपर बना रही थी।

एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकें अब प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर एमआरपी पर बिना डिलीवरी शुल्क के उपलब्ध हैं। आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित एक प्रौद्योगिकी-आधारित एंटी-पाइरेसी समाधान को एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में पेश किया गया है। मंत्रालय ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से अनुरोध किया है कि वे नकली पाठ्य पुस्तकों की बिक्री की किसी भी घटना की जानकारी एनसीईआरटी को pd.ncert@nic.in पर दें।

संपादक की कलम से

अंधेर नगरी: पंदे के लिए गर्दन

अंधेर नगरी चौक पर राजा नाटक में फांसी का फंदा बड़ा और कोतवाल की गर्दन छेती होने के कारण मोटे-गूढ़े गोवंश दस को फांसी पर चढ़ाने की तैयारी कर ली जाती है। क्योंकि राजा को तो बकरी के मरने पर इंसफ करना है। इसलिए जिसकी गर्दन फंदे के नाप की हो, उसे ही सिपाही दूढ़ कर ले आए। हालाँकि गुरुजी ऐन मौके पर आकर अपने चले गोवंश दस को बचा लेते हैं और मूर्ख राजा स्वर्ग जाने की इच्छा लिए खुद फांसी चढ़ जाते हैं, इस तरह अंधेर राजा समाप्त होता है। मगर क्या वाकई अंधेरेगादी खत्म हुई है। विवेकहीन शासक और निरंकुश प्रशासन की पोल खोलते इस व्यंग्यात्मक प्रहसन को भारतेंदु हरिश्चंद्र ने एक ही दिन में लिख दिया था। ये उच्च कोटि के लेखक थे, लेकिन इस रचना और आज के वक्त को देखकर लगता है कि उनकी दूरदृष्टि भी गजब की थी। 1881 में जब यह नाटक लिखा गया, तब अंग्रेजी हुकूमत थी और भारत आजादी की लड़ाई के लिए पहला बिगुल फूंक चुका था। इस लड़ाई में हिंदू-मुसलमान सब साथ थे और मुकाबला अंग्रेजों से था। अब अंग्रेजों को एग सात दशक से अधिक बच बीत चुका है। भारत आजाद हो गया है, उससे अलग होकर पाकिस्तान बन गया, दोनों देशों के बीच चार युद्ध हो गए हैं, लेकिन सीमा के आर-पार अमा जनता अब भी विवेकहीन शासन की अंधेरगादी देख रही है। पाकिस्तान में तो अब फिर से सैन्य शासन की आहट सुनाई दे रही है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मात मिली है, लेकिन दुनिया में वह अलग कहानी सुनाने में लगा है। शाहबाज शरीफ ने जिस तरह युद्धविराम के बाद लामघण्डी डॉग हॉकने के अंदाज में अपनी विजयागाथा दुनिया को बताई और भर-भर के अपनी सेना की तारीफी की, उससे समझ आता है कि पूरा भाषण पहले से लिखकर उन्हें पढ़ने दिया गया। अब पाक सैन्यप्रमुख जनरल आसिम मुनीर की तरक्की कर उन्हें फील्ड मार्शल बना दिया गया है। इससे पहले पाकिस्तान में एक ही फील्ड मार्शल थे, जनरल अब्दुल खान। अब्दुल खान की वजह से पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही आई। अब क्या रहे हैं। इधर पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश में भी सेना का दबदबा बढ़ रहा है। शेख हसीना से सत्ता छीनने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया बने मोहम्मद यूनूस और देश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमान के बीच दरार बढ़ती जा रही है। जनरल जमान चुनावों की तारीख जल्द घोषित करवाना चाहते हैं, और मो.यूनूस इसे टाल रहे हैं। ऐसे में जनरल जमान ने कमांडर्स की बैठक बुलाई है और माना जा रहा है कि फिर से तख्तापलट हो सकता है। लोकतंत्र को नकारने, बहुतायतवाद की उपेक्षा करने और कट्टरपंथ पर चलने का क्या अंजाम होता है, इसे पाकिस्तान और बांग्लादेश की जनता से बेहतर कौन जानता होगा। लेकिन क्या भारत की जनता जानती है कि उसकी बेहतरी किसमें है। क्योंकि अभी जो माहौल बन चुका है, वह बिल्कुल वैसा ही है, जिसका वर्णन 1881 में भारतेंदुजी ने किया था। पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, निर्दोष लोग मारे गए। सरकार से इंसफ की गुहार लगाई गई। 14 दिन बाद ऑपरेशन सिंदूर हुआ। उसमें सफलता मिल ही रही थी कि अचानक अमेरिका के कहने पर युद्धविराम हो गया। इसने न बताया पाक के आतंकी ठिकाने पकड़े किए गए। जनता ने सेना पर खुशी जताई कि इतनी जांबाज सेना उसकी हिफाजत के लिए है। फिर भी सरकार से सवाल पड़ू कि पाक में बैठे आतंकियों को तो मारा गया, लेकिन उन चार आतंकियों का क्या हुआ, जो पहलगाम तक चले आए। इसका कोई जवाब सरकार ने नहीं दिया, लेकिन अचानक अशोक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अली खान महमूदवाद को गिरफ्तार कर लिया गया, क्योंकि अंग्रेजी में लिखी उनकी फेसबुक पोस्ट में हरियाणा महिला आयोग को सांप्रदायिक और महिला विरोधी विचार नजर आए। प्रो.महमूदवाद पूछते रहे कि अखिर किस जगह ऐसा लगा कि उन्होंने महिलाओं का अपमान किया है, लेकिन उन्हें जवाब नहीं मिला। उनकी गर्दन फंदे के अनुरूप दिखी होगी,

तो ईसाफ की राह में उन्हें धकेल दिया गया। गनीशत है कि देश में गोर्वधनदास के गुरु जैसा विज्ञान, सम्मानीय सुप्रौम करते हैं, जिसने प्रो. महमूदबाद को अंतर्निम जमानत दे दी। लेकिन इसमें अंधेराही खरब हो जाणी, ऐसा लगता नहीं है। क्योंकि इस सारे प्रकरण में ध्यान गुनहारों को पकड़ने से ज़्यादा फंदे के लिए गर्दन तलाशने पर था और गर्दन अल्पसंख्यक की हो तो ईसाफ का जोर जरा ज़्यादा दिखाई देगा। प्रो. अली खान महमूदबाद की बड़ी सी पोस्ट में पाकिस्तान के आतंकवाद पोषण की आलोचना की गई है, फिर अपरेशन सिंदूर के लिए सेना की तरीफ है कि उसने नागरिकों को निशाना नहीं बनाया। इसके बाद युद्ध की मुखालफत की गई है, लिखा है- कुछ लोग बिना सोचे-समझे युद्ध की वकालत कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने (असल में) कभी युद्ध देखा नहीं है।

संघर्ष क्षेत्र में रहना या वहां जाना तो दूर की बात है। किसी छद्म नागरिक सुरक्षा अभ्यास गतिविधि का हिस्सा बनने से आप सैनिक नहीं बन जाते और न ही आप कभी किसी ऐसे व्यक्ति का दर्द जान पाएंगे जो संघर्ष के कारण नुकसान उठाता है।

युद्ध क्रूर होता है। और गरीब लोग इसका सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतते हैं, केवल राजनेता और रक्षा कम्पनियों ही इसका फायदा उठाती हैं। आगे उन्होंने उम्मीद जताई कि कर्नल सोफिया कुरैशी की तारीफ

बाल अचानक झड़ना किस बीमारी का लक्षण है?

सामान्य तौर पर बालों के झड़ने की समस्या बढ़ती उम्र के साथ शुरू होती है. यदि युवावस्था में ही बाल झड़ रहे हैं तो इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं. यह बालों से संबंधित बीमारी या अन्य किसी बीमारी के कारण हो भी सकते हैं. यदि रोजाना आपका बाल झड़ते हुए महसूस हो रहे हैं तो तुरंत इसकी जांच करवानी चाहिए. यदि कोई बीमारी है तो उसका पता चल सकना या फिर बालों से संबंधित कोई समस्या हो तो शुरूआती दौर में उसका निदान हो सकेगा. अचानक क्यों झड़ने लगते हैं बाल इस बारे में इस लेख में आपको बता रहे हैं.

एम्स दिल्ली में डमेटीलॉजी विभाग में डॉ. निखिल मेहता बताते हैं कि सामान्य तौर पर बालों के झड़ने की बीमारी को एलोपेसिया एफ़्टा कहा जाता है। यह एक स्व-प्रतिशरी बीमारी है जो शरीर की प्रतिक्रिया प्रणाली को बालों के रोम पर हमला करने का कारण बनती है, जिससे बाल झड़ने लगते हैं। इसके अलावा बालों के झड़ने के कई और कारण भी होते हैं। इनमें कुछ जेनेटिक भी होते हैं। जरूरी है कि बालों के झड़ने की समस्या की तुल्य पहचान का प्रयास किया जाए, जिससे बीमारी की रोकथाम हो सके और बालों का प्रयास बंद हो सके।

इन कारणों से झड़ते हैं बाल
 एलोपेसिया एरिटा के अलावा त्वचा के संक्रमण, तनाव, थायराइड, पोषण की कमी और कुछ दवाओं के सेवन के कारण भी बाल झड़ने लगते हैं। यह समस्या स्थाई या अस्थायी भी हो सकती है। इनके अलावा टेलेजेन एफ़ेक्टिवियम के कारण भी बाल झड़ते हैं। यह सामान्य तौर पर तनाव, संक्रमण और दवाओं के प्रभाव के कारण होता है। इसमें तेजी से बाल झड़ते हैं। थायराइड से संबंधित हाइपोथायरॉयडिज्म और हाइपरथायरॉयडिज्म भी बालों के झड़ने का कारण बनती हैं। हैयर स्ट्रॉल और इलाज भी बालों के झड़ने का कारण बनते हैं।

क्या करें
 लगातार बाल झड़ने की समस्या को नजरअंदाज न करें. इसके निदान के लिए आपको तुरंत स्पेशलिस्ट डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. डॉक्टर बालों के झड़ने के सटीक कारण का पता लगाएंगे. सटीक कारण का पता चलने पर ही इलाज हो सकेगा।

- ललित गर्ग-

विभिन्न राजनीतिक दलों, विभिन्न प्रांतों की सरकारों, विभिन्न गरीब कल्याण की योजनाओं, न्यायिक क्षेत्र एवं उच्च जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय हैं। ऐसा लगता है आज हम जीवन् नहीं, राजनीतिक, न्यायिक एवं प्रशासनिक मजबूरियां जी रहे हैं। ऐसा भी लगता है न्याय, राजनीति एवं प्रशासन की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के द्वारा एक असामान्य घटनाक्रम के तहत भ्रष्टाचार के मामलों में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के तीन अधिकारियों को उसी सीबीआई की हिरासत में भेज देना न केवल चिन्ताजनक एवं शर्मनाक है बल्कि विडम्बनापूर्ण है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाया हुआ है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन सीबीआई जैसी जांच एजेंसी में भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होना इस सूज को उदित होने से पहले ही अंधेरा की ओत में ले रहा है। इससे भी बड़ी ज़रूरत एवं निराशाजनक है गुजरात में 71 करोड़ रुपये के मन्नेरा घोडाले में मंत्री बच्चू भाई खावड़ के दो बेटों का गिरफ्तार होना। राजनीति एवं कार्यपालिका के साथ न्याय पालिका के क्षेत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिलना भ्रष्टाचार के सर्वत्र व्याप्त होने को दर्शा रहा है। जनता कब तक भ्रष्टाचार का अन्तहाहा बराने दोती रहेगी। कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचारप्रचुर आदर्श राष्ट्र-निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकेगे? कैसे आजादी के अमृत काल में ईमानदार राष्ट्र बना प्युं?

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने 25 अप्रैल को सीबीआई के तीन अधिकारियों के भ्रष्टाचार अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई, आई और ऐसे अन्य विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार का अन्तु मामला गरिमा को ठेस न पहुँचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारीयों को देश से साझा किया। साथ ही उनको पहल पर सुप्रीम कोर्ट के

तब क्या होगा, हम देखेंगे...

हम देखेंगे... लाजिम है कि हम भी देखेंगे... मशहूर शायर फैज अहमद फैज ने ये नया साहचर चार दशक पहले लेख लिखी थी जब पाकिस्तान में जनरल जिजिया उलह हक ने हुकूमत की बागडोर संभाली थी। लेकिन इस नय्म को लोकप्रियता हासिल हुई 1986 में इकबाल बानो के जरिए। दरअसल, जिजिया-उल-हक की सरकार ने साड़ी को गैर इस्लामिक बताकर उस पर रोक लगा दी थी, जिसके विरोध में इकबाल बानो ने सफेद साड़ी पहनकर एक बड़े जनसमूह के सामने यह नय्म गायी थी। इसकी एक पंक्ति 'सब ताज उछालें जार्येंगे, सब तछरा गिराए जार्येंगे' गाये। गाये ही भीड़ ने 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे लगाने शुरू कर दिये। उसी वक़्त से यह नय्म सरकार और उसके तंत्र के प्रति असंतोष व्यक्त करने, प्रतिकार करने का माध्यम बन गई। भारत में भी जनवादी-प्रगतिशील संगठनों और जन आंदोलनों ने इसे हाथों-हाथ ले लिया और इस नय्म ने जनगीत की शक्ल अखिरायराने न देसी।

बसो-बसो यह नज्म जलसो-जलूसो, धरने-प्रदर्शनो, बैठको-साभाओ में
जगो जाती रहो। सरकोरों आती-जाती रहो, इस रचना में किसी को कोई बुराई
नजर नहीं आई। लेकिन फिर 1919 आया जब बाकी देश की तरह
आईआईटी कानपुर के छात्र नागरिकता संशोधन कानून (सीएए-एनआरसी)
के विरोध में एकत्र हुए और यह नज्म जगो। दूसरे पक्ष के कुछ छात्रों ने इस
नज्म को हिन्दू विरोधी बताते हुए बवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने संस्थान में
निर्देशक को शिकायत की कि वह नज्म से उनकी धार्मिक भावनाओं को
आहत करने वाली है। इस पर संस्थान ने एक जांच समिति का गठन कर
दिया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि फैज़ की यह नज्म हिन्दू विरोधी
नहीं, बल्कि सत्ता के विरोध का प्रतीक है। हालांकि यह तथ्य, साहित्य की
सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति वाह सकता था।

लेकिन जब किसी विचारधारा के प्रति विद्वेष सामान्य बुद्धि पर हावी हो जाये तो कानपुर की घटना का दोहराव होना ही होता है। हाल ही में यह हुआ भी। 2015 की अलंघ्यक चर्चित और पुरस्कर्त मराठी फिल्म 'कोटे' के अभिनेता वीरा साधोदार की स्मृति में नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरा एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। 2011 में मजद 61 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फिल्म 'कोटे' में उन्होंने नारायण कांबळे का किरदार निभाया था। इस फिल्म में दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ की कमाई की थी। वीरा के स्मृति आयोजन में 'हम देखेंगे...' नज्म गायी गयी। किसी दक्षिणपंथी संगठन के सदस्य ने इसकी शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने भी आनन-फानन में मामला दर्ज कर लिया। उसने स्व. साधोदार की पत्नी पुष्पा समेत अन्य के खिलाफ देश की एकता-अखंडता को फुसाना पहुंचाने, धार्मिक भावना भड़काने और अशांति फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है।

शिकायत में कहा गया है कि फैज की कविता में 'हिंसात्मक हिटलर' और 'तानाशाही के दौर' जैसी बातें कही गई हैं। वह भी ऐसे समय में जब 'पहलगाँव' हाइस्के के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। अब यह कोई लाल बुलबुलकड़ ही बता सकता है कि सालों से गाया जा रही एक नम्य या कविता का दो देशों के बीच उपजे तनाव से क्या वास्ता हो सकता है- खासतौर से तब, जब वह नम्य किसी देश, समाज या धर्म के विरोध में नहीं, बल्कि तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध लिखी गई हो। यहाँ ये बताना लाजम्बी है कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेता भी फैज अहमद फैज के प्रशंसक थे और जिन नम्य पर अब वक्तवा लखे खड़े कविता जा रहे हैं, वह भी अटल जी को बेहतर पसंद थी। लेकिन न जाने क्यों दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और मजबूती का दावा करने वाली उसकी सरकार को अपने इस पुरखे के आचरण-व्यवहार से सम्बन्ध लेना चाहिये।

फैज की बातें चली हैं तो यह बताना जरूरी है कि 2022 में सोनियाआई ने 10वीं कक्षा सामाजिक विज्ञान की किताब से उनकी कुछ कविताएँ और नैतिकतंत्र से संबंधित अध्याय हटा दिये थे। इधर हाल ही में उनकी 'लौकिक' के प्रो. अली खान महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर अश्लील पोस्ट के बहाने गिरफ्तार किया गया, अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है। प्रो. खान के खिलाफ शिकायत करने वाली एंकरिका महिलान आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटियाएक खबरिया चैनल की पहरेदार के छः बार पढ़ने पर भी बात नहीं पाई।



न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यूरी भी सार्वजनिक किया। जस्टिस वर्मा का ट्रॉसफर किया गया और जांच कमिटी बनाकर उसकी रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। वहां से अब गेंद सरकार और संसद के पाले में है। महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी भ्रष्टाचार पूरी नहीं हो पाई थी। अब अगर जस्टिस वर्मा का यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। लेकिन विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अधुण खते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है? ताकि जजों के भ्रष्टाचार की उचित सजा उनको मिल सके, ऐसी प्रक्रिया से ही न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना कर्तव्य

भी निभा सके। भ्रष्टाचार की परतें अपराधियों ए भ्रष्ट लोगों को बचाने तक नहीं सीमित नहीं है, अब तो यह गरीबों का निवाला भी छीन रही है। सरकार गरीबों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाती है लेकिन बड़ा स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अप्रत्यक्ष तकर नहीं पहुंच पाती। लश्चर की भेंट चढ़ जाती है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा में स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस स्थिति की शुरुआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ रोजगार मिल सकेगा और वे अपना भरण-पोषण कर सकेंगे मगर शुरुआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाना दर्ज कर काम देने की बजाय चालबाजियां सामने आई थीं। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार व ताना-बाना संबंधित महकमों में बुना जाता है। इसी का त्रास उदाहरण गुजरात में मनरेगा तहत फुजी तरेके से कार्य निष्पादित करने के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों व रकम बुना लेने का है। पुलिस इस मामले में अब तक ग्याह लोगों को गिरफार किया है, जिन्हें सडक, बांध, पुर्तिया आदि निमा

भी निभा सके।

प्रष्टाचार की परतें अपराधियों ए
भ्रष्ट लोगों को बचाने तक न
सीमित नहीं है, अब तो यह गरीबों
का निवाला भी खीन रही है।
सरकार गरीबों के लिये अनेक
कोल्याणकारी योजनाएँ चलती हैं
लेकिन बढ़ा स्थापित तथ्य है कि
अधिकतर राज्यीय योजनाएं अपरा
लक्ष्य तक नहीं पहुँच पातीं।
प्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है।
महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार
गारंटी योजना यानी मनरेगा में
स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इ
योजना की शुरुआत इस मकसद
से की गई थी कि गरीब परिवारों
को साल में कम से कम सी द्वा
रोजगार मिल सकेगा और वे अपरा
भरण-पोषण कर सकेंगे मगर
शुरुआती वर्षों में ही इसमें प्रष्टा
उजाग्र होने लगे थे। फ़ैज़ ना
दर्ज कर काम देने की बड़
चालबाजियाँ सामने आई थीं।
सरकारी योजनाओं में प्रष्टाचार व
ताना-बाना संबंधित महकमों में व
बुना जाता है। इसी का त्रास
उदाहरण गुजरात में मनरेगा के
तहत फ़ैज़ तरीके से कार्य निष्पाद
के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों व
रकम बुना लेने का है। पुलिस
इस मामले में अब तक गिरफ्त
लों को गिरफ्तार किया है, जिन
सड़क, बाँध, पुलिया आदि निर्मा

के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था। इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है।

गुजरात ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों में भी मनरेगा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के किस्से उजागर हो रहे हैं। मुजफ्फरपुर में भी मनरेगा भ्रष्टाचार का शिकार हो गया है जिले के कई ब्लॉक में मनरेगा में भ्रष्टाचार हो रहा है। फर्जी हाजिरी और फोटो घोटाले से हर दिन लाखों रुपये की लूट हो रही है एक ही फोटो को बार-बार इस्तेमाल करके लाखों रुपये निकाले जा रहे हैं। गुजरात में मंत्री करके बेटों के द्वारा मनरेगा लूट एवं भ्रष्टाचार अधिक परेशान करने वाला एवं चिन्ता में डालने वाला है। नेता, मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी अच्छे-बुरे, उपयोगी अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द किताब पवित्र व अर्थपूर्ण था पर अब नेता खलनायक बन गया है नेतृत्व व्यवसायी एवं भ्रष्टाचारी बन गया। आज नेता शब्द एक गाली है।

जबकि नेता तो पिता का पर्याय
था। उसे पिता का किरदार निभाना

आमिर पठान के लिए दो मिनट का मौन!

सुभाष गाताडे
वैसे पूरे मुल्क में पसर रहे इस उन्माद में क्या कभी कोई कमी आएगी? ताकि किसी भी सामाजिक या धार्मिक अल्पसंख्यक के लिए इस बात की गारंटी होगी कि वह भी इस गणतंत्र का बराबर का नागरिक है, यह मसला अब विचारणीय हो चला है। फिलवक्त इस बात की भविष्यवाणी मुश्किल जान पड़ती है। यह कह सकते हैं कि समूचे समाज को एक अजीब किस्म की जड़ता, संझौतीता ने जकड़ लिया है, गोया समूचा समाज सोनो हो चला है।

लातूर, सूबा महाराष्ट्र के मराठवाडा इलाके के शहर- जो अपनी ऐतिहासिक इमारतों के लिए मशहूर है- की जन्दिगी अब बदस्तूर सामान्य हो गयी होगी।

बमशिकल दो सप्ताह पहले शहर के एक हिस्से में कुछ अधिक सरगमों थीं, जिसकी फौरी वजह एक टेलिकॉम कम्पनी के एक वरिष्ठ कार्रकारी अधिकारी द्वारा अचानक की गयी खुदकुशी थी, गौरतलब था कि इस वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कश्चित् तौर पर रोड रेज की एक घटना के बाद- जिसमें उसे सांप्रदायिक गालियों का शिकार होना पड़ा था- दूसरे दिन खुदकुशी की थी।

हुआ यही था कि एक कारचालक को कश्चित् तौर पर पकड़ा जा उसकी गाड़ी एक ट्र व्हीलर वाले से टकरा गयी। आम तौर पर जैसे होता है, कम्प्लेक्स रस्ता और रस्ता पर

खुल कर सामने आती है, यह घटना भी मुला दी जाती लेकिन सड़क सांप्रदायिक गालीगोलीज और प्रताड़ित करने के इस प्रसंग का एक किस्म अत्यन्त गंवाह आम्हिर की पत्नी बज बज धाराशिक के प्राइवेट बैंक कार्यरत आम्हिर की पत्नी सन्तोष ने घटना के दौरान ही उसे कॉल किया था, यह बताने के लिए कि वह आम्हिर सन्धिधान बैंक पर खड़ी है और दो वही से साथ चलेंगे। फोन पर इस संभावना के दौरान उसने एक अजनबि आवाज को सुना था जो उसके प को धमका रहा था।

आम्हिर पड़न की मृत्यु हुए दो सप्ताह हो गए हैं।

मसले को वही 'निपटना' चाहा और दुपहिया चालक को धमकाने की कोशिश की। सड़क पर बढ़ते इस विवाद में जब उसे पता चला कि दुपहिया चालक आमिर पटान नामक शख्स है तो वह कथित तौर पर अधिक आक्रामक होे चला और उसने उसे यह कठ पृष्ठ डाला कि क्या वह 'पाकिस्तानी है या कश्मीरी है'। कारचालक इतना दबंग था कि वह उस पूरे विवाद को रेकार्ड भी करता रहा और उसने दुपहिया चालक को यह कहते हुए भी धमकाया कि वह इस पूरे विवाद को इंटरनेट पर अपलोड कर देगा। लेकिन कम्पनी



का वह डच्य अधिकारी इस पूरे प्रसंग से इतना हताश हो चला कि डिप्रेसन का कष्ट गया और इस बात की उद्देश्य से उसे सड़क पर प्रताड़ित करने के विविधो अन्ततान्न हो जाएगा, उस दोपहर दिन शाम को आत्महत्या की कोशिशें तौर पर सड़कों पर होने वाली रोजमर्रा की तमाम घटनाओं की तरह जहाँ लोगों की असम्भता और दुर्बल खुल कर सामने आती है, यह घटना भी भुला दी जाती लेकिन सड़क सांप्रदायिक गालीगलौज और प्रताड़ित करने के इस प्रसंग का एक किस्म अत्यन्तक गहवा आमिर की पत्नी बन कर भागीरथ के प्राद्वेत बैंक कार्यरत आमिर की पत्नी समरीन ने घटना के दौरान ही उसे काल किनारे, यह बताने के लिए कि वह अगल सिवधान चैक पर खड़ी है और दो वहाँ से साथ घर चलेगी। फोन पर इस संभाषण के दौरान उसने एक अजन आवाज को सुना था जो उसके प

आमिर पठान की मृत्यु हुए दो सप्ताह हो गए है। इस पूरे प्रसंग में आखिरी बात य सुनने को मिली थी कि समरीन पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी जिसमें प्रताड़ित करने वाले व्यक्ति का नाम और गाड़ी नम्बर में लिखा मगर पुलिस ने एक तरह से बिना किसी व्यक्ति का नाम दहें किए रिपोर्ट दर्ज की है। उसका यह भी कहना है कि घटना को लेकर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है कि फलों व्यक्ति चलाते क्यों आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा और घटना का कोई गवाह भी सामने नहीं आया है। इस बात की भविष्यवाणी करने में कं मुश्किल नहीं होगी कि समरीन



सामने न्याय पाने का एक बेहद लम्बा और लगभग अकेला रास्ता पड़ा है क्या उसे न्याय मिल सकेगा? गौरतलब है कि आमिर पठान को सड़क पर सरेआम जिस प्रताड़ना से गुजरना पड़ा भारत की सड़कों की

आम परिघटना हो चली है, जहाँ अक्सर हम यह भी सुनते हैं कि ऐसे घटना की परिणति आपसी मारपीत यहाँ तक कि कई बार हत्या तक पहुँचती है। आमिर के साथ उसका धार्मिक पहचान का पहलू भी जुड़ा गया।

देर सारी रिपोर्टें प्रकाशित हुई हैं कि 20वीं सदी की इस तीसरी दहाई में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के लिए हिन्दुस्तान के अंदर एक सम्मान का जीवन जीना और समान नागरिक के

तार पर अपना जिन्दगा बितात। अधिकाधिक मुश्किल हो चला है। विश्लेषकों ने इस बात को ही रेखांकित किया है कि सत्ता के उच्चपदस्थ लोग भी अपने वक्तव्यों और मौन से ऐसे कार्रवाइयों को हवा देते हैं। कुछ साल पहले सत्ता पर बैठे ऐसे ही व्यक्तियों द्वारा उन्हें 'कपड़ों से पहचाने जाने वाले', 'चार-चार शादियाँ करने वाले'

क तोर पर लोछन लगाते सुना गया था
आमिर के साथ जिब वह हादसा
हुआ, वह वही दौर था जवन पहलगा
हतांकी हमला हो चुका था और देश
भर से यह खबरे भी आ रही थी कि
मुसलराम भारत में कश्मीरियों और
किस तरह भारत पर हमले की घटनाओं में
उछाल आया था।
विभिन्न नागरिक अधिकार संगठनों ने
ऐसी घटनाओं का बाकायदा
दस्तावेजीकरण भी किया है और
मामलों की सूची तक पेसा की है कि
मुसलराम देशभर में नफरती हमले

चाहिए था। पिता केवल वही नहीं होता जो जन्म का हेतु बनता है अपितु वह भी होता है, जो अनुशासन सिखाता है, ईमानदारी का पाठ पढ़ाता है, विकास की राह दिखाता है। आगे बढ़ने का मार्गदर्शक बनता है।

भारत तक आम आदमी, कांग्रेस, तुषण्णाल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल आदि राजनीतिक दलों में ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध सामने आ रहे थे, अब भाजपा नेताओं एवं मंत्रियों पर भी ऐसे आरोप लगना ज्यादा चिन्ताजनक है। प्रश्न भाजपा का ही नहीं है, भ्रष्टाचार जहां भी हो उसके खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है, नया भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर है तो उसकी पार्टी के भीतर भी यदि भ्रष्टाचार है तो उसकी सफाई ज्यादा जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी दल के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का बुराल बजाय हुए हैं तो यह नये भारत, सशक्त भारत, ईमानदार भारत बनाने की सार्थक पहल है। राजनीतिज्ञों, जजों, प्रशासनिक अधिकारियों की साख गिरेनी, तो राष्ट्र की साख बनाना भी आसान नहीं होगा। चहुँओर पसरे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से विकास के दावा का विद्रूप रूप ही सामने आता है। हमारे पास कार्यपालिका, न्यायपालिका एवं राजनीति ही समाज की बेहतरि का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टाचार के बाद तीसरा नंबर कीचड़ उछाल जिसमें काल भी है, राजस्त्रों गलत को गलत नहीं माना जाता। ये तीनों ही ऐसे औजार हैं, जो देश को तबाही की ओर ले जाते हैं। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का मसला काफी गहरा है और इससे खिलाफ आरंभ की लड़ाई के लिए काफी कठोराता, निष्पक्षता, वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, सख्त कदम उठाने की अपेक्षा है। ऐसी ही उम्मीदमयी एवं भ्रष्टाचार-निरोधक कार्रवाई से भारत का लोकतंत्र समृद्ध हो सकेगा।

दिल्ली में लॉन्च हुई ‘लेजेनजी टी10’ टेनिस बॉल क्रिकेट लीग

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को एक भव्य कार्यक्रम के तहत भारत की सबसे बड़ी टेनिस बॉल क्रिकेट लीग ‘लेजेनजी टी10’ का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अनोखी पहल का उद्देश्य गली-मोहल्लों में छिपी क्रिकेट प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। कार्यक्रम को शोभा पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज और लीग अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने बढ़ाई। उनके साथ दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार बल्लेबाज हर्शल गिब्स, क्रिकेटर क्रिस्टोफर बॉन्बी मोफू, सह-संस्थापक मीनाक्षी अग्रवाल और लीग के संस्थापक एवं सीईओ चिरंजीव दुबे भी मंच पर उपस्थित रहे। इस मौके पर वेंकटेश प्रसाद ने कहा, ‘हमने अक्सर गलियों में ऐसे युवाओं को खेलते देखा है, जिनमें असाधारण प्रतिभा होती है, लेकिन उन्हें सही मंच नहीं मिल पाता। लेजेनजी टी10 उनके लिए वही मंच है, जहां से वे अपने सपनों की उड़ान भर सकते हैं।’ लीग के संस्थापक और सीईओ चिरंजीव दुबे ने कहा, ‘हम चाहते हैं कि हर गली का खिलाड़ी स्टेडियम की रौशनी में, टीवी स्क्रीन पर दिखे। यही लेजेनजी टी10 का विजन है।’लीग की सह-संस्थापक मीनाक्षी अग्रवाल ने कहा, यह केवल एक लीग नहीं बल्कि हजारों युवाओं के सपनों को साकार करने का माध्यम है। हमें गर्व है कि हम इस यात्रा का हिस्सा हैं।

जी.एस. बाली मेमोरियल ऑल इंडिया टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप सम्पन्न

धर्मशाला। विकास पुरुष स्वर्णाय जी.एस. बाली मेमोरियल ऑल इंडिया टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप 2025 का समापन हो गया। तीन दिन तक चली इस चैंपियनशिप के सीनियर पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र की टीम विजेता और यूपी की टीम उपविजेता रही। सीनियर महिला वर्ग में यूपी की टीम विजेता और हरियाणा की टीम उपविजेता रही। जूनियर बॉयज वर्ग में गोवा की टीम विजेता और दिल्ली की टीम उपविजेता रही। जूनियर गर्ल्स वर्ग में गोवा की टीम विजेता और महाराष्ट्र की टीम उपविजेता रही। चैंपियनशिप के समापन समारोह पर एसडीएम नाराोटा बगवां मुनीश शर्मा मुख्य अतिथि और राजकीय विद्यालय बड़ोह के प्रधानाचार्य नीरज शर्मा मुख्य अतिथि रहे। टेनिस बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य प्रभाष दिलवारिया भी इस विशेष मौके पर मौजूद रहे। मुख्य अतिथि एसडीएम नाराोटा बगवां मुनीश शर्मा ने सभी विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए। प्रतियोगिता का आयोजन फेडरेशन ऑफ इंडिया और हिमाचल प्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा नाराोटा बगवां के राजकीय उल्कृष्ट महाविद्यालय में 31 मई से 2 जून तक किया गया। इस चैंपियनशिप का शुभारंभ 31 मई को पर्यटन निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने किया था। इस टूर्नामेंट में विभिन्न राज्यों से आई हुई 28 टीमों ने भाग लिया। जिसमें 20 टीमें पुरुष वर्ग और 8 टीमें महिला वर्ग की रही।

हेनरिक क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया सन्यास, इंस्टाग्राम पर दी जानकारी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। क्लासेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह मेरे लिए एक दुःखद दिन है, क्योंकि मैं घोषणा कर रहा हूँ कि मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से हटने का फैसला लिया है। यह फैसला लेना मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने अपने और अपने परिवार के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा, अब मैं अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिता सकूंगा और मेरी मेरे इस फैसले का मुख्य कारण है। 33 वर्षीय क्लासेन ने पिछले साल जनवरी में टेस्ट क्रिकेट से पहले ही सन्यास ले लिया था, ताकि वह सफेद गेंद क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उन्होंने अपने करियर में दक्षिण अफ्रीका के लिए 60 वनडे, 58 टी20 और 4 टेस्ट मैच खेले। क्लासेन ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच इसी साल मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में खेला था, जिसमें वे 7 गेंदों में केवल 3 रन बनाकर आउट हो गए थे। उस मैच में दक्षिण अफ्रीका को 50 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

आईपीएल 2025: स्लो ओवर रेट के चलते श्रेयस अय्यर और हार्दिक पंड्या पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के फ़ाइनलायक-2 मुकाबले में स्लो ओवर रेट के चलते पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर जुर्माना लगाया गया है। यह मैच रॉडर मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला गया था। आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 12.1 के तहत निर्धारित समय में मैच चलने पर जुर्माना लगाया गया। वहीं, प्लेइंग इलेवन के अन्य खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर या तो 6 लाख रुपये या उनके मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया है। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस के लिए यह तीसरी बार था, जब टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे करने में असफल रही।

रग्बी प्रीमियर लीग: पहले सीजन के लिए चेन्नई बुल्स ने टीम एवं जर्सी का किया अनावरण

एजेंसी
चेन्नई। भारत में पहली बार आयोजित होने जा रही रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के उद्घाटन सत्र से पहले चेन्नई बुल्स फ्रैंचाइजी ने सोमवार को मैड्रास क्रिकेट क्लब में आयोजित एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी आधिकारिक टीम और जर्सी का अनावरण किया। इस कार्यक्रम में रग्बी इंडिया के कोषाध्यक्ष सेन्थिल वी. त्यागराजन, बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के अध्यक्ष और तमिलनाडु ओलंपिक संघ के महासचिव आधव अर्जुना, चेन्नई बुल्स के मालिक अश्वित शर्मा, टीम के मुख्य कोच और रग्बी 7s के दिग्गज बेन गोल्लिस, तथा अभिनेता और पूर्व भारतीय रग्बी खिलाड़ी विनय राय शामिल हुए। चेन्नई बुल्स, भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समूह एविडसिस ग्रुप की स्पोर्ट्स शाखा एविड स्पोर्ट्स के स्वामित्व में है और आरपीएल की एकमात्र अंतरराष्ट्रीय टीम है।

भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समूह एविडसिस ग्रुप की स्पोर्ट्स शाखा एविड स्पोर्ट्स के स्वामित्व में है और आरपीएल की एकमात्र अंतरराष्ट्रीय टीम है।

विनय राय की टीम है, जो लीग में वैश्विक दृष्टिकोण लेकर आई है।टीम के उद्देश्यों पर और अधिक जानकारी के लिए चेन्नई बुल्स सिर्फ एक टीम नहीं, बल्कि भारत के लिए प्रेरित करने का बदलने का एक आंदोलन है। हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय और इन्टरनैट्रकवर, उल्कृष्ट क्रिकेट और

डी. गुकेश ने नॉर्वे शतरंज के 7वें राउंड में अर्जुन एरिगैसी को हराकर दूसरी जीत दर्ज की

एजेंसी
स्टावेंगर। नॉर्वे शतरंज 2025 के सातवें राउंड में सभी बोर्ड्स पर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस दौर की सबसे चर्चित भिड़त मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश और भारत के ही ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के बीच हुई। दोनों खिलाड़ियों के बीच तेज मुकाबला हुआ, जहां गुकेश ने धैर्य बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत के बाद इस टूर्नामेंट में दूसरी जीत हासिल की। इससे पहले छठे राउंड में डी गुकेश ने और वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के बीच मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की थी। अर्जुन ने ओपनिंग में शानदार शुरुआत करते हुए तेज आक्रामक चालों से गुकेश पर दबाव बनाया, लेकिन गुकेश ने जबरदस्त डिफेंसिव कौशल दिखाते

हुए खेल को जटिल एंडगेम तक पहुंचाया। समय की कमी में दोनों खिलाड़ियों के बीच तेज मुकाबला



हुआ, जहां गुकेश ने धैर्य बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत के बाद जीत हासिल की। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फबियानो कारुआना ने चीनी

ग्रैंडमास्टर और बर्थडे बॉय वे यी के खिलाफ शुरुआती बढ़त बनाई और लंबे एंडगेम में शानदार जीत दर्ज की।

दिन का आखिरी मुकाबला विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और ह्विकार नाकगुरा के बीच खेला गया, जो क्लासिकल गेम में जल्दी ड्रॉ हो गया।

नोवाक जोकोविच ने नोरी को हराकर लगाया जीत का शतक, नडाल के क्लब में हुए शामिल

एजेंसी
पेरिस। फ्रेंच ओपन के तीन बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने सोमवार को ब्रिटेन के कैमरून नोरी को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इसी के साथ उन्होंने रोलां गैरो में अपना 100वां मैच जीतकर राफेल नडाल के 'सेंचुरी क्लब' में जगह बना ली है। नडाल के बाद सेंचुरी पूरी करने वाले दूसरे पुरुष खिलाड़ी। नोवाक जोकोविच रोलां गैरो में 100 मैच जीतने वाले केवल दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले राफा नडाल ने यहां 112 मैच जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी। अब जोकोविच रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की ओर अग्रसर हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन से भी आगे निकला रोलां गैरो रिकॉर्ड

10 बार खिताब जीता है, जबकि पेरिस में अब तक 3 खिताब अपने नाम किए हैं। बिना सेट गंवाए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जोकोविच इस साल जोकोविच का प्रदर्शन



भले ही कुछ खास नहीं रहा हो, लेकिन उन्होंने हाल ही में अपने करियर का सबसे ज्यादा 100 जीत दर्ज की है, जबकि ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनके नाम 99 जीत दर्ज हैं। हालांकि, उन्होंने मेलबर्न में रिकॉर्ड

के खिलाफ पहला सेट कुछ शुरुआती ब्रेक के बाद आसानी से जीता।

अब जर्मनी के अलेक्जेंडर ज़्वेरेव से होगी टक्कर तीसरे सेट में जोकोविच ने तीसरे गेम में नोरी की सर्विस ब्रेक



कर दी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस जीत के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है, जहां उनका सामना जर्मनी के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज़्वेरेव से होगा।

भारत ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच हाई-स्कोरिंग मुकाबला ड्रॉ, बल्लेबाजों का चौथे दिन भी जलवा बरकरार

एजेंसी
नई दिल्ली। केंटरवरी में भारत ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच चार दिवसीय अभ्यास मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मुकाबले में लगातार चौथे दिन सोमवार को भी बल्लेबाजों का बोलबाला रहा, जिसमें दोनों टीमों के टॉप ऑर्डर ने रनों की बारिश कर दी। इंग्लैंड लॉयंस की पारी में आखिरी विकेट की साझेदारी ने बढ़ावा स्कोर

की बढ़त दिला दी। भारत ए की दूसरी पारी में तेज शुरुआत:दूसरी पारी में भारत ए



की ओपनिंग जोड़ी ने तेज शुरुआत की। यशस्वी जायसवाल और अभिमन्यु ईश्वरन दोनों ने पहले इनिंग की असफलता को पीछे छोड़ते हुए

अर्धशतक जमाए। जायसवाल ने केवल 60 गेंदों में 64 रन बनाए, जिनमें 80फीसदी रन बाउंड्री से

आए। दोनों ने मिलकर 123 रन की ओपनिंग साझेदारी की, जो भी रन-रेट से तेज गति से जायसवाल के आउट होने के बाद ईश्वरन ने थोड़ी

हलांकि, अमर्गिडन गेम में कार्लसन ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

नॉर्वे विमेंस शतरंज: जु वेनजुन टॉप पर विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जु वेनजुन ने सारा खादेम के खिलाफ क्लासिकल गेम में शानदार एंडगेम खेलते हुए जीत दर्ज की। दिन की दूसरी क्लासिकल जीत चीन की तिगंजी लेई को मिली, जिन्होंने वाइट पीसेज से भारत की वैशाली रमेशबाबु को मात दी। भारत की हमी कौनरू और अन्ना मुझिचुक के बीच मुकाबला शांति से ड्रॉ रहा, जिसमें काफी पीस एक्सचेंज हुए। हालांकि, अमर्गिडन गेम में मुझिचुक ने बाजी मार ली और अतिरिक्त अंक अर्जित किए।

काशी की बेटी सुमेधा पाठक ने साउथ कोरिया में शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप में लहराया देश का परचम, गोल्ड पर साधा निशाना

एजेंसी
वाराणसी। साउथ कोरिया में चल रहे वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप में वाराणसी की बेटी शूटर सुमेधा पाठक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का नाम रोशन किया है। सुमेधा ने 10 मीटर एयर पिस्टल की सिंगल और टीम स्पर्धा में गोल्ड मेडल पर कब्जा किया, जबकि रिपब्लिक ऑफ कोरिया को 1659-25इ अंकों के साथ दूसरा और चीनी ताइपे को 1586-19X अंकों के साथ तीसरा स्थान मिला। इस स्पर्धा में भी सुमेधा ने सर्वाधिक अंक बटोरे। सुमेधा के पिता कुंजेश पाठक ने साउथ कोरिया से फोन पर बताया कि उनकी बेटी और उनकी टीम ने विश्व रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीतकर भारत, उत्तर प्रदेश और वाराणसी का मान बढ़ाया है। इस उपलब्धि से वाराणसी में खुशी की लहर दौड़ गई है।

209.4 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल मिला। सुमेधा पाठक, सुष्टि अरोड़ा और रुबीना फ्रांसिस की तिकड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल की टीम स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने 1695-42इ अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि रिपब्लिक ऑफ कोरिया को 1659-25इ अंकों के साथ दूसरा और चीनी ताइपे को 1586-19X अंकों के साथ तीसरा स्थान मिला। इस स्पर्धा में भी सुमेधा ने सर्वाधिक अंक बटोरे। सुमेधा के पिता कुंजेश पाठक ने साउथ कोरिया से फोन पर बताया कि उनकी बेटी और उनकी टीम ने विश्व रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीतकर भारत, उत्तर प्रदेश और वाराणसी का मान बढ़ाया है। इस उपलब्धि से वाराणसी में खुशी की लहर दौड़ गई है।

‘शूटिंग लीग ऑफ इंडिया’ सिर्फ प्रतियोगिता नहीं, सबके लिए नई शुरुआत है: सरबजोत सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली।देश की पहली शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के शुभारंभ को लेकर देशभर में उत्साह है और ओलंपिक पदक विजेता सरबजोत सिंह इसे एक ऐतिहासिक कदम बता रहे हैं। उनका मानना है कि यह लीग न केवल शूटिंगों को एक नया आयाम देगी, बल्कि खिलाड़ियों को वैश्विक अनुभव और आपसी साझेदारी का अवसर भी प्रदान करेगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतने वाले सरबजोत ने इससे पहले विश्व चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। 20 नवंबर से 02 दिसंबर 2025 के बीच आयोजित होने जा रही एसएलआई में पिस्टल (10रू 25रू), राफल (10रू 50रू3रू), और शांटागन (ट्रेन व स्कोट) जैसे मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी। लीग के तहत फ्रैंचाइजी टीमों दो पूर्वी में बंटी होंगी, जहां लीग चरण के बाद नॉकआउट मुकाबले खेले जाएंगे। खिलाड़ियों को चार श्रेणियों एलीट चैंपियंस, वर्ल्ड एलीट, नेशनल चैंपियंस और जूनियर/युथ चैंपियनशिप में वर्गीकृत किया जाएगा, जिससे युवा और अनुभवी प्रतिभाओं का संतुलन सुनिश्चित होगा। सरबजोत ने कहा, इतनी बड़ी पहल के पहले संस्करण का हिस्सा बनना मेरे लिए एक बड़ी बात है। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि अनुभवों को साझा करने और वैश्विक स्तर के निशानेबाजों से सीखने का अनोखा अवसर है। वर्तमान में सरबजोत यूनिफ़ॉर्म में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप की तैयारी कर रहे हैं, जहां वह अपने पसंदीदा 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भाग लेंगे।

पिछले साल इस स्पर्धा में सरबजोत ने स्वर्ण पदक जीता था। लीग के तेज और रोमांचक प्रारूप को लेकर सरबजोत ने कहा कि एसएलआई जैसे मंच से शूटिंग को लेकर युवा पीढ़ी में रुचि बढ़ेगी और यह खेल भारत में सही मायनों में पहचान पाएगा। यह दर्शकों के लिए भी एक नया अनुभव होगा। वहीं



अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को लेकर उन्होंने कहा कि ंमेरे लिए तकनीक के साथ-साथ मानसिक संतुलन भी जरूरी है। मैं हर मैच का आनंद लेना चाहता हूँ और हर मौके से कुछ नया सीखना चाहता हूँ। वहीं, युवा निशानेबाजों के लिए उन्होंने कहा कि वो खुद पर विश्वास रखें, कभी हार न मानें और अनुशासन व जुनून के साथ अभ्यास करते रहें।

फतु चक क्रिकेट क्लब की टीम ने हरिपुर क्रिकेट क्लब को हराकर जीता फाइनल मुकाबला

एजेंसी
आरएस पुरा। आरएस पुरा के सीमावर्ती गांव हरिपुर में खेली जा रही क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला हरिपुर क्रिकेट क्लब एवं फतु चक क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फतु चक क्रिकेट क्लब की टीम ने निर्धारित 15 ओवरों में 99 रन बनाए। वहीं 100 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरिपुर क्रिकेट क्लब की टीम की शुरुआत तो बेहतर रही लेकिन मध्य ओवरों में टीम के बल्लेबाज लगातार आउट होते गए। इसके बाद हरिपुर क्रिकेट क्लब की टीम 98 रनों पर ऑल आउट हो गई। बताते चलें कि क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन भाजपा नेता किशोर शर्मा की तरफ से करवाया जा रहा था ताकि क्षेत्र के युवाओं को नशा जैसी दुर्गति से दूर रखकर खेलों की तरफ आगे लाया जा सके। इस मौके पर भाजपा नेता किशोर शर्मा ने विजेता तथा उपविजेता टीम को ट्रॉफी एवं खेल सामग्री देकर सम्मानित किया और कहा कि आने वाले दिनों में भी पंचायत में इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा युवा खेलों की तरफ आगे आ सकें। इस मौके पर किशोर शर्मा ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि पंचायत में खेल मैदान बनाया जाए ताकि युवाओं को खेलों में हिस्सा लेने का मौका मिल सके। उन्होंने क्रिकेट प्रतियोगिता को सफल बनाने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया। इस मौके पर भूषण कुमार, जनक राज सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के लिए यूपी योद्धा ने मजबूत किया स्कॉड, गुमान सिंह को 1.07 करोड़ में खरीदा

एजेंसी
मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन की नीलामी में यूपी योद्धा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को और मजबूत किया है। जीएमआर स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली इस फ्रैंचाइजी ने गुमान सिंह, महेंद्र सिंह और ईरानी डिफेंडर मोहम्मदरेजा कबूतरहंगी जैसे खिलाड़ियों को टीम में शामिल कर अपने इरादे साफ कर दिए हैं। नीलामी के पहले दिन, यूपी योद्धा ने स्टार रेडर गुमान सिंह को 1.0725 करोड़ रुपये में खरीदा, जबकि महेंद्र सिंह को 20 लाख रुपये में फाइनल बिड मैच (एनबीएम) का इस्तेमाल करते हुए टीम में जोड़ा।दूसरे दिन, ईरान के डिफेंडर मोहम्मदरेजा कबूतरहंगी को भी एनबीएम के जरिए 20 लाख रुपये में दोबारा टीम में शामिल किया गया। मोहम्मदरेजा ने अब तक 23 पीकेएल मुकाबलों में 24 टैकल पॉइंट्स सहित

कुल 28 अंक हासिल किए हैं, जो टीम की डिफेंस की ओर मजबूत करेंगे। इसके अलावा, कोरियन रेडर डोंग ग्योन ली (13.5 लाख), रोनक (9 लाख) और प्रणव विनय राणे (13 लाख) जैसे रणनीतिक खिलाड़ियों को भी टीम में जोड़ा गया है। टीम के कोर खिलाड़ियों में सुमित, भवानी राजपूत, साहल कुमार, सुरेंद्र गिल और आशीष सिंह शामिल हैं, जिन्हें एलिट रिटेंड प्लेयर (ईएपीपी) सूची में बकरार रखा गया। वहीं रिटेंड यंग प्लेयर (आरवाईपीपी) सूची में हितेश, गगन गौड़ा एचआर और शिवम चौधरी शामिल हैं। एग्जिटिंग न्यू यंग प्लेयर (एनवाईपीपी) सूची में जयेश विकास महाजन, गंगाराम, सचिन और केशव कुमार को जगह दी गई है। जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ सत्यम त्रिवेदी ने कहा, ंहम नीलामी के परिणाम से बेहद संतुष्ट हैं। हमारी रणनीति साफ थी कि कोर ग्रुप को बनाए रखते हुए

ऐसे खिलाड़ियों को शामिल करना जो टीम के संतुलन को मजबूत करें। गुमान सिंह और महेंद्र सिंह जैसे खिलाड़ियों को जोड़कर हमने अहम विभागों को और मजबूत किया है।टीम के मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा, हमारी रणनीति कोर खिलाड़ियों को बनाए रखने की थी और साथ ही ऐसे नाम जोड़ने की जो टीम की फिलॉसफी के अनुरूप हों। गुमान की आक्रामकता, महेंद्र और मोहम्मदरेजा की डिफेंस में भूमिका और डोंग ग्योन ली की बहुमुखी प्रतिभा हमारी टीम के लिए लाभकारी साबित होंगी। गुमान सिंह, मोहम्मदरेजा कबूतरहंगी, महेंद्र सिंह, डोंग ग्योन ली, सुमित, आशीष सिंह, भवानी राजपूत, साहल कुमार, सुरेंद्र गिल, हितेश, गगन गौड़ा, शिवम चौधरी, जयेश विकास महाजन, गंगाराम, सचिन, केशव कुमार, जतिन, रोनक, प्रणव विनय राणे।

इंग्लैंड के खिलाफ जेसन होल्डर और आंद्रे रसेल की वेस्टइंडीज टी-20 टीम में वापसी

एजेंसी
नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी 20 सीरीज के लिए देर रात अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में जेसन होल्डर और आंद्रे रसेल की वापसी हुई है। वहीं, निकोलस पूरन को आस्ट्रेलिया के व्यवस्थित शेड्यूल के बाद आराम दिया गया है।यह सीरीज मॉन्ट्रियल के ड ओवल में समाप्त हो रही वनडे सीरीज के बाद खेली जाएगी। इसके बाद वेस्टइंडीज की टीम आयरलैंड दूरे पर लौटेगी, जहां वे तीन और टी 20 मुकाबले खेलेंगे। रसेल-होल्डर की वापसी, पूरन को आराम

जेसन होल्डर ने फरवरी 2024 में आखिरी बार टी20 मैच खेला था, जबकि रसेल ने नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ बारबाडोस में आखिरी बार मैदान संभाला था। दोनों खिलाड़ी अब पूरी तरह फिट हैं और टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। निकोलस पूरन ने आस्ट्रेलिया के बाद आराम की मांग की थी, जिसे टीम मैनेजमेंट ने स्वीकार कर लिया है।



शाई होप होंगे नव कप्तान, पॉवेल को बरकरार रखा गया शाई होप को टी 20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है, जिन्होंने रोवमैन पॉवेल की जगह ली है। पॉवेल ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में 3-0 से हार झेली

थी, लेकिन उन्हें टीम में बतौर खिलाड़ी शामिल रखा गया है। शरफेन रदरफोर्ड और शिमरोन हेतमायर भी टीम में लौटे हैं, जबकि जस्टिन ग्रेव्स, शमार सिंगर और टेरेंस हवर्ड्स को इस बार टीम में जगह नहीं मिली। आयरलैंड सीरीज में कुछ बदलाव, नए चेहरे को मौका

जून तक टेस्ट कैप लगेगा। आयरलैंड सीरीज के लिए रॉशन गिफिथ को कोचिंग की जिम्मेदारी दी गई है। वेस्टइंडीज की इंग्लैंड के खिलाफ टी20 टीम। शाई होप (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेतमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, एचिन लुईस, गुडकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, शरफेन रदरफोर्ड, रोमरियो शेफर्ड।

मोती, रोवमैन पॉवेल, आंद्रे रसेल, शरफेन रदरफोर्ड, रोमरियो शेफर्ड। आयरलैंड के खिलाफ टी 20 टीम: शाई होप (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्ड, जेड ग्लूली, शिमरोन हेतमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, एचिन लुईस, गुडकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, शरफेन रदरफोर्ड, रोमरियो शेफर्ड।

से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने हमें आश्वसन दिया कि जब भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ना चाहेगा या इसे समाप्त करना चाहेगा, तो वे उसका समर्थन करेंगे। बताया गया है कि रूस, लातविया, स्लोवेनिया, ग्रीस और स्पेन की यात्रा पूरी करने के बाद सांसद कनिमोडी के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भारत के लिए रवाना होगा। प्रतिनिधिमंडल की नेता कनिमोडी चेन्नई पहुंचेगी, उनके अन्य सदस्य कल दिल्ली में होंगे।

‘चुपचाप वहां बैठ जाइए’, जब Akshay Kumar ने भरी महफिल में

कटरीना कैफ

को डांटा, देखते रह गए सलमान



बॉलीवुड में बीते 22 सालों से काम कर रही कटरीना कैफ ने अपने करियर में सबसे ज्यादा हिट फिल्मों सलमान खान और अक्षय कुमार के साथ दी हैं. दोनों दिग्गजों के साथ उन्हें बड़े पर्दे पर दर्शकों ने खूब पसंद किया है. सलमान खान के साथ फिल्मों के अलावा वो अफेयर से भी सुर्खियां बटोरने में कामयाब रहीं. जबकि अक्षय के साथ भी उनका नाम जोड़ा गया था, लेकिन इसकी कभी पुष्टि नहीं हुई. सलमान खान, कटरीना कैफ और अक्षय कुमार बॉलीवुड के ये तीनों ही दिग्गज एक साथ एक ही मंच पर भी नजर आ चुके हैं. तब अक्षय कुमार ने कटरीना की क्लास लगा दी थी. तब सलमान भी कुछ नहीं कर पाए थे और वो बस देखते ही रह गए थे. आइए जानते हैं कि ऐसा कब, क्यों और कहा हुआ था ?

सलमान के शो पर पहुंचे थे अक्षय-कटरीना

सालों पहले अक्षय कुमार और कटरीना कैफ सलमान खान के शो ‘दस का दम’ पर पहुंचे थे. तब सलमान ने अक्षय से पूछा था कि, आपको पैदाइश कहाँ की है ? इस पर अक्षय ने कहा, मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ. दिल्ली की पैदाइश है चांदनी चौक की. इस पर सलमान खान कहते हैं, शाहरुख खान भी वहीं के रहने वाले हैं. इस पर अक्षय कहते हैं, नहीं वो थोड़े आगे के हैं. वो जमना पार के हैं. मैं जमना पार के इस साइड का रहने वाला हूँ.

अक्षय ने कटरीना को लगा दी थी डांट

इसके बाद सलमान ने अक्षय से सवाल किया था, आपको मुंबई में कितने साल हो गए ? अक्षय ने जवाब में कहा, 32 साल हो गए. फिर सलमान ने कटरीना से पूछा, आपको कितना वक्त हुआ यहां (मुंबई) पे ? कटरीना ने कहा, कम से कम पांच साल. तो बेसिकली आप दोनों बहुत सीनियर हैं. मैं बहुत जूनियर हूँ. इस पर अक्षय ने हंसते हुए कहा था, तो आप चुपचाप वहां बैठ जाइए. अक्षय की बात सुनकर सलमान और कटरीना के साथ ही आडियंस में बैठे लोग भी जोर-जोर से हंसने लगे थे.

अक्षय-सलमान संग कटरीना ने इन फिल्मों में किया काम

कटरीना ने अक्षय कुमार के साथ ‘नमस्ते लंदन’, ‘सूर्यवंशी’, ‘दे दना दन’, ‘तीस मार खान’, ‘हमको दीवाना कर गए’ और ‘बेलकम’ जैसी फिल्मों में काम किया. जबकि सलमान के साथ ‘पार्टनर’, ‘युवराज’, ‘मैंने प्यार क्यों किया’, ‘भारत’, ‘एक था टाइगर’, ‘टाइगर जिंदा है’ और ‘टाइगर 3’ जैसी फिल्मों की.



अंडरवर्ल्ड डॉन की गर्लफ्रेंड,

मोनिक्का बेदी

प्यार ने पहुंचाया था सलाखों के पीछे, अब भी उतनी ही ग्लैमरस, इस हाल में जी रहीं जिंदगी

बॉलीवुड में मोहब्बत के ऐसे कई किस्से हैं, जिन्हें सुनकर लोग आज भी हैरान रह जाते हैं. अंडरवर्ल्ड डॉन और बॉलीवुड एक्ट्रेस के रिश्ते की कई कहानियां सुनने को मिलती रही हैं. सिर्फ एक नहीं, कई एक्ट्रेस का नाम डॉन के साथ जुड़ चुका है. ऐसी ही एक प्रेम कहानी है, जो बड़ी-बड़ी पार्टिज से शुरू हुई. जहां ग्लैमर और खूबसूरती का तड़का लगता था. लेकिन एडिंग हमेशा की तरह खतरनाक. आज हम आपको ऐसी ही एक्ट्रेस के बारे में बताएंगे, जिसे आशिकी के चक्कर में जेल की हवा खानी पड़ी.

अब कहाँ हैं ये एक्ट्रेस और किस हाल में हैं ? जानिए यहाँ बात मोनिक्का बेदी की हो रही है. जिसका मासूम चेहरा और ग्लैमर उस वक्त खूब चर्चा में रहता था. प्यार से जेल तक की कहानी एक पार्टी से शुरू हुई थी, वहाँ अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम भी मौजूद था. दुर्बई के एक बड़े होटल में अबू सलेम की मोनिक्का बेदी पर नजर पड़ी थी और वो एक्ट्रेस को दिल दे बैठा. साथ ही मोनिक्का को भी वो पसंद आ गया.

मोहब्बत से जेल तक...

बात है साल 1998 की. पहली मुलाकात के बाद अबू सलेम और मोनिक्का बेदी एक दूसरे को पसंद करने लगे. कभी साथ मूवी डेट पर पहुंचे, तो कभी रेस्टोरेंट

में. कई फिल्मों में वो काम कर रही थीं. अपने ग्लैमर से एक-एक कर नए प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली थीं. शादीशुदा अबू सलेम के प्यार में एक्ट्रेस को कुछ नहीं दिखाई दिया. कहा जाता है कि दोनों ने अमेरिका में निकाह भी किया था. एक्ट्रेस के मुताबिक, उन्हें जब सब सच पता लगा, तब तक देर हो चुकी थी. 2002 के बाद वो जेल की हवा खाती रहीं. साल 2007 में रिहा हुई और फिर दोबारा करियर सेट करने की कोशिशों में लग गईं.

अब कहाँ और कैसी जिंदगी जी रही हैं ?

दरअसल मोनिक्का बेदी को कई सालों से काम नहीं मिल रहा. एक्ट्रेस अपने परिवार के साथ जिंदगी बिता रही हैं. सोशल मीडिया पर भी ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं. वेडिंग इवेंट्स में पहुंचती हैं. कुछ वक्त पहले फिल्मी सितारों के साथ दिखी थीं, जिसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की थी. 50 साल की उम्र में एक्ट्रेस की फिटनेस देखकर आप हैरान रह जाएंगे. दरअसल

मोनिक्का बेदी ने खुद को काफी फिट रखा है.

इंस्टाग्राम पर मोनिक्का बेदी एक से बढ़कर एक ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती हैं. दरअसल फिट रहने के लिए एक्ट्रेस घंटों जिम में बिताती हैं. हालांकि, कमाई के लिए अलग-अलग इवेंट्स में परफॉर्म करती हैं. इसके अलावा सोशल मीडिया और बड़े-बड़े इवेंट्स में पहुंचती हैं. शोज और फिल्में न सही, एक्ट्रेस इसी तरह से अपना गुजारा कर रही हैं. या यूँ कहें कि अच्छी कम्पर्टेबल जिंदगी जी रही हैं. हालांकि, एक्ट्रेस को उनके पिता का काफी सपोर्ट रहा है.



7 साल पहले आई थी चार सहेलियों पर बनी मूवी, कम बजट में फिल्म ने की थी 100 करोड़ से ज्यादा कमाई, जानें नाम



2018 में एक फिल्म आई थी जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की. साथ ही ये फिल्म गर्ल गैंग को खूब पसंद आई थी. फिल्म में दिखाई गई चार सहेलियों में करीना कपूर, सोनम कपूर, स्वरा भास्कर और शिखा तलसानिया जैसी एक्ट्रेसस शामिल हैं. इस फिल्म का नाम ‘वीरे दी वेडिंग’ है जो बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई थी.

रिया कपूर और एकता कपूर ने फिल्म वीरे दी वेडिंग में पैसा लगाया था. फिल्म यंगस्टर्स को खूब पसंद आई, खासतौर पर लड़कियों की ये फेवरेट फिल्म बताई जाती है. फिल्म वीरे दी वेडिंग को किस ओटीटी पर देख सकते हैं, फिल्म की कहानी क्या है और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया था, आइए आपको इसके बारे में बताते हैं.

फिल्म वीरे दी वेडिंग का कलेक्शन और बजट

1 जून 2018 को रिलीज हुई फिल्म वीरे दी वेडिंग को शशांक घोष ने डायरेक्ट किया था. फिल्म के प्रोड्यूसर्स में रिया कपूर, एकता कपूर, शोभा कपूर और निखिल द्विवेदी जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं का नाम शामिल है. फिल्म में करीना कपूर, सोनम कपूर, स्वरा भास्कर, शिखा तलसानिया लीडरोल में थीं.

वहीं विश्वास किनी, बबलस सबरवाल अलका कौशल, आयशा राजा और अकांक्षा मल्होत्रा जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आए थे. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म का बजट 30 करोड़ था जबकि वर्ल्डवाइड फिल्म ने 140 करोड़ का कलेक्शन किया था. फिल्म का वरिडिक्ट सुपरहिट था और इसके गाने भी हिट थे.

फिल्म वीरे दी वेडिंग ओटीटी पर कहाँ देखें ?

फिल्म वीरे दी वेडिंग में ढेरों गाने थे जिनमें से ‘पप्पी ले लूँ’, ‘भांगड़ा ता सजदा’, ‘लाज शरम’, ‘डगमग डगमग’, ‘तारीफा’ जैसे गाने जबरदस्त हिट हुए थे. फिल्म में चार सहेलियाँ दिखाई गई हैं जो सालों बाद मिलते हैं और अपनी-अपनी लाइफ की प्रोबलम्स को डिस्कस करते हैं. इसके बाद वो उन्हें सुलझाने भी लगते हैं और उन समस्याओं को सुलझाने में जिंदगी के असली मायने सीखते हैं. अगर आप ये फिल्म देखना चाहते हैं तो नेटफ्लिक्स पर सब्सक्रिप्शन के साथ देख सकते हैं.

मां के पैर धोकर पानी पीने वाला सुपरस्टार, पैदा हुआ तो पिता ने गोद में लेने से कर दिया इनकार



बॉलीवुड में इस अभिनेता ने सुपरस्टार का दर्जा हासिल किया है. उनके पिता भी अपने जमाने के जाने-माने अभिनेता रहे और मां शास्त्रीय संगीत की जानकार थीं. एक्टर मां को काफी मानते थे और उनके और धोकर पानी पीते थे. लेकिन दूसरी ओर जब उनका जन्म हुआ तो पिता ने गोद लेने तक से इनकार कर दिया था. उन्होंने एक्टिंग, डांस और कॉमेडी तीनों से फैंस का दिल जीता है.

अब आप समझ गए होंगे कि यहाँ बात हो रही है सुपरस्टार गोविंदा की. गोविंदा आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है. एक समय बॉलीवुड में उनकी तूती बोला करती थी. फिल्में उनके नाम से ही हिट हो जाती थीं. हर किसी के दिल पर उन्होंने राज किया. आज हम आपको गोविंदा से जुड़ा एक किस्सा बता रहे हैं जो हमेशा से ही काफी सुर्खियों में रहता है.

गोद में लेने से किया था इनकार

गोविंदा के पिता अरुण कुमार आहुजा ने निर्मला देवी से शादी की थी जो कि पहले मुस्लिम थीं. शादी के बाद उन्होंने अपना नाम और धर्म बदल लिया था. शादी के बाद निर्मला देवी अरुण कुमार के 6 बच्चे हुए. गोविंदा सभी भाई-बहनों में सबसे छोटे हैं. निर्मला और अरुण के घर 21 दिसंबर 1963 को गोविंदा ने जन्म लिया. गोविंदा की पैदाइश विचार की है.

बताया जाता है कि गोविंदा के जन्म से पहले ही प्रेग्नेंसी में गोविंदा की मां निर्मला देवी साध्वी बन गई थीं. हालांकि, उन्होंने गोविंदा के पिता को नहीं छोड़ा था. गोविंदा के माता-पिता साथ में ही रहते थे, लेकिन निर्मला ने अरुण से दूरी बना ली थी. ये बात अरुण को बिल्कुल पसंद नहीं आई. फिर जब गोविंदा का जन्म हुआ तो अरुण ने बेटे को गोद में लेने तक से मना कर दिया था. क्योंकि उन्हें लग रहा था कि गोविंदा के जन्म कारण ही निर्मला साध्वी बन गई. हालांकि बाद में जब उन्हें परिवार के लोगों ने अच्छे से समझाया तो वो मान गए थे.

मां के पैर धोकर पानी पीते थी गोविंदा

गोविंदा की मां ने एक साध्वी की तरह जीवन जीया तो उनके बेटे ने भी उन्हें उसी तरह का दर्जा और सम्मान दिया था. अभिनेता अपनी मां के पैर धोकर उस पानी को पीया करते थे. ये खुलासा गोविंदा की पत्नी सुनीता आहुजा कई इंटरव्यू के दौरान कर चुकी हैं. मां के प्रति समर्पण और प्यार को देखते हुए सुनीता ये भी कह चुकी हैं कि उन्हें अगले जन्म में बेटा मिले तो गोविंदा जैसा मिले.



रोहिणी में दो मंजिला
मकान गिरा, 4-5
लोगों के दबे होने की
आशंका

नई दिल्ली रोहिणी सेक्टर-7 में एक दो मंजिला मकान भरभराकर गिर गया। धमाके की आवाज के बाद पड़ोसी वहां से भागे तो दो मंजिला मकान मलबे में तब्दील हो चुका था। हादसे में चार से पांच लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। शोर-शराबे के बीच पड़ोसियों ने मामले की सूचना पुलिस व दमकल विभाग को दी। मकान गिरने की खबर मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग, कैट्स एंबुलेंस के अलावा एनडीआरएफ भी वहां पहुंच गया। प्रशासन ने स्थानीय लोगों की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू किया। दमकल विभाग के अनुसार बुधवार शाम चार बजे सूचना मिली कि रोहिणी सेक्टर-7 में दो मंजिला मकान गिर गया है। कॉलर ने बताया कि लोग मलबे में फंसे हुए हैं और बगल की इमारत की भी नुकसान पहुंचा है। खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस, दमकल एवं अन्य एजेंसियां द्वारा बचाव अभियान शुरू कर दिया है। मलबे में चार से पांच लोगों की दबे होने की आशंका के चलते एनडीआरएफ को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

भारत ने एडीबी से
पाकिस्तान को मिलने
वाली सहायता पर
जताया कड़ा विरोध

नई दिल्ली भारत ने पड़ोसी देश पाकिस्तान को बहुपक्षीय संस्थानों एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की ओर से दिए जाने वाले किसी भी वित्तीय सहयोग का सख्त विरोध किया है। भारत ने पाकिस्तान की ओर से फंड का दुरुपयोग सैन्य खर्चों पर करने के प्रति गंभीर चिंता जताई है। भारत ने आर्थिक सुधारों के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाया है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पाकिस्तान के लिए 800 मिलियन डॉलर (80 करोड़ डॉलर) के वित्तीय सहायता पैकेज को मंजूरी दी है। यह राशि पाकिस्तान की राजकोषीय स्थिति को मजबूत करने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए दी जा रही है। एडीबी की बेलआउट का उद्देश्य पाकिस्तान के सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार करना है।

दक्षिण अफ्रीकी व्यवसायी एरोल
मस्क और एक्टर रांझा विक्रम सिंह
ने एफडीआई के जरिये भारत में
निवेश पर की चर्चा



दिव्य दिल्ली : हाल ही में, अमेरिकी/दक्षिण अफ्रीकी व्यवसायी एरोल मस्क और हिंदी, पंजाबी, तेलुगु फिल्मों में हिरो और विलेन के कई उल्लेखनीय भूमिकाएं निभा चुके और फिल्म 'हीरोपंती' में रज्जो फौजी के रूप में बेहतरीन सराहना पा चुके प्रसिद्ध अभिनेता रांझा विक्रम सिंह और उनके भाई और दुबई से उद्यमी उदयजीत सिंह भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) के जरिये बेहतरीन निवेश पर कई दौर की चर्चा की। एफडीआई के जरिये बेहतरीन निवेश पर चर्चा की शुरुआत उदयजीत सिंह ने की। एरोल मस्क को बॉलीवुड बहुत पसंद है, ऐसे में उन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के प्रति अपने प्यार और अपने पसंदीदा एक्टर अमिताभ बच्चन को भी अपनी चर्चा के केंद्र में रखा। साथ ही अपने बेटे

एलन मस्क और अपने भविष्य के विजन के बारे में भी बात की। उन्होंने यह भी जानकारी साझा की कि एलन मस्क के सवाल पर उन्होंने कहा बहुत मेहनती है बहुत काम कर रहा है उसे आराम की जरूरत है हालांकि, अपनी चर्चा में उन्होंने भारत को पसंदीदा देश बताया और अपने इस भारत दौरे के लिए उदय सिंह का आभार भी जताया। उल्लेखनीय है कि रांझा विक्रम सिंह को आखिरी बार शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' में एक विशेष भूमिका में और पंजाबी फिल्म 'माइनिंग' में मुख्य भूमिका में देखा गया था। रांझा विक्रम सिंह ने इस आयु में भी एरोल मस्क की ऊर्जा और विनम्र स्वभाव की प्रशंसा करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और उनके भारत की इस यात्रा को लेकर सफलता की कामना की।

धर्मार्थ समर्पण न्यास के बैनर तले बरेली में नन्हे बच्चों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर की गई अद्भुत पहल



दिव्य दिल्ली : कवयित्री अनुपमा अग्रवाल का बरेली में एक सुंदर प्रेरक अभियान जिसने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में नन्हे बच्चों को जोड़ा गया। बच्चे बनें बदलाव के वाहक झ पार्क सफाई व पर्यावरण जागरूकता द्वारा दिया बच्चों ने अद्भुत योगदान। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर धर्मार्थ समर्पण न्यास द्वारा एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने पार्क की सफाई कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह आयोजन केवल एक सफाई कार्यक्रम नहीं था, बल्कि बच्चों को

मोबाइल और लैपटॉप की लत से दूर कर प्रकृति से जोड़ने की एक प्रेरणादायक पहल भी थी। आज के इंटरनेट युग में जहां बच्चे मोबाइल और स्क्रीन की दुनिया में उलझे रहते हैं, ऐसे में यह अभियान उन्हें प्रकृति से जोड़ने की दिशा में एक अनुकरणीय प्रयास बनकर सामने आया। धर्मार्थ समर्पण न्यास ने इस मुहिम के तहत बच्चों को न केवल पार्क की सफाई में भागीदार बनाया, बल्कि उन्हें प्रकृति प्रेम, स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का पाठ भी पढ़ाया, इन बच्चों ने चित्रकला के माध्यम से प्रकृति



पर्यावरण संरक्षण के संदेश को उकेरा। इसके साथ और भी अन्य मुख्य गतिविधियाँ बच्चों ने पार्क की साफ-सफाई की, कूड़ा उठाया, सूखी पत्तियाँ हटाईं। पौधों में पानी दिया और "प्लास्टिक से दूरी" का संकल्प लिया। प्लास्टिक को ना कहो', 'प्रकृति हमारी मित्र है' जैसे नारों से गुंज उठा पार्क। खेल-खेल में पर्यावरणीय शिक्षा को आत्मसात किया इस अभियान में शामिल रिद्धिमा, रियांशी, काशवी, अविष्का, मिहिका और रुपल जैसे नन्हें बच्चे पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता और उत्साह से

सबको चकित कर गए। उनकी मासूम लेकिन प्रेरणास्पद भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि अगर बच्चों को सही दिशा दी जाए, तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। धर्मार्थ समर्पण न्यास की यह पहल न केवल बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का एक सशक्त माध्यम बनी, बल्कि समाज को भी यह संदेश दे गई कि बदलाव की शुरुआत घर और मोहल्ले से ही होती है। अगर बच्चों को प्रकृति से जोड़ें, तो वे पर्यावरण के सच्चे रक्षक बन सकते हैं।

नीति आयोग की संगोष्ठी में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया

नई दिल्ली नीति आयोग के ग्रामीण विकास प्रभाग ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित नीति आयोग के मुख्यालय में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों को मजबूत बनाने पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। इस संगोष्ठी में समावेशी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने और क्षेत्रीय असमानताओं को पाटने में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। नीति आयोग के मुताबिक संगोष्ठी में नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, वित्तीय संस्थानों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और जमीनी स्तर के उद्यमियों ने ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों को



सशक्त बनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करके महिलाओं के नेतृत्व वाली पहलों पर विशेष ध्यान दिया गया। सेमिनार में समावेशी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने और क्षेत्रीय असमानताओं को पाटने में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया

गया। नीतिगत ढाँचों को सक्षम बनाने, किराफायती ऋण तक पहुँच में सुधार करने और डिजिटल और बाजार पहुँच को बढ़ाने पर जोर दिया गया, जिसमें ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) जैसी पहलों का उपयोग किया गया।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 18 बांग्लादेशी नागरिकों को विदेशी प्रकोष्ठ ने किया गिरफ्तार

दिव्य दिल्ली : उत्तर पश्चिमी जिला पुलिस के विदेशी प्रकोष्ठ ने एक सक्रिय और खुफिया-आधारित अभियान में, दिल्ली भारत में अवैध रूप से रह रहे 18 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले अनधिकृत विदेशी नागरिकों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के चल रहे प्रयासों के तहत 03.06.2025 को विशेष अभियान के तहत पाँच भारत नगर क्षेत्राधिकार में सफल छापेमारी की गई। इलाके में अवैध अग्रवासियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया था। एक गुप्त सूचना मिली थी कि तीन परिवार हरियाणा से आए हैं और अब बजौरपुर जे.जे. कॉलोनी में छिपे हुए हैं और अपना ठिकाना बदल रहे हैं। इस्पेक्टर विपिन कुमार (विदेशी प्रकोष्ठ) और श्री के समग्र



पर्यवेक्षण में एसआई सन, एसआई श्याम बोर, एसआई राजेंद्र, एसआई राजेंद्र, एचसी विक्रम, एचसी प्रवीण, एचसी विकास यादव, कांस्टेबल हवा सिंह और कांस्टेबल दीपक की एक समर्पित टीम ने छापेमारी की। राजीव कुमार, एसीपी/विदेशी सेल। ऑपरेशन के दौरान, टीम ने लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी की और गहन सत्यापन अभियान चलाया। लगभग 36 फुटाओर और 45 गलियों की जाँच

की गई और एक गहन तलाशी अभियान चलाया गया। ऑपरेशन के दौरान एक सतिष्ठ व्यक्ति को पकड़ा गया और उससे लंबी पृष्ठताछ की गई। पहले तो उसने गुमराह करने की कोशिश की लेकिन लगातार पृष्ठताछ के बाद उसने स्वीकार कर लिया कि वह बांग्लादेशी है। पृष्ठताछ के दौरान पता चला कि, ये परिवार हरियाणा में रेड कले ब्रिक्स कंपनी (भट्ट कंपनी) में मजदूर के रूप में काम कर

रहे थे और हरियाणा पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के कारण वे दिल्ली चले गए और बजौरपुर और उत्तर पश्चिम जिले के आस-पास के इलाकों में जेजे क्लस्टर में रहने की योजना बनाई। उनकी निशानदेही पर परिवार के अन्य सदस्यों को भी पकड़ा गया। 6 वयस्कों और 12 बच्चों सहित कुल 18 व्यक्ति बांग्लादेशी नागरिक पाए गए जो बिना वैध यात्रा दस्तावेजों, वीजा या परमिट के क्षेत्र में रह रहे थे, जिससे विदेशी अधिनियम, 1946 और अन्य प्रासंगिक आक़जन कानूनों के प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। सभी व्यक्तियों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया और विस्तृत पृष्ठताछ और दस्तावेजीकरण के लिए विदेशियों के सेल में स्थानांतरित कर दिया गया। पृष्ठताछ के दौरान उनके पास से 04 बांग्लादेशी आईडी और प्रतिबंधित कट्टर एप इंस्टॉल किया हुआ 01 मोबाइल फोन मिला।

अन्नदाता के साथ ऊजादता भी बनें हमारे किसान: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएसईएफआई) द्वारा आयोजित द्वारा राष्ट्रीय कृषि-नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि किसानों को अन्नदाता के साथ उजादता भी बनना चाहिए।



उन्होंने फेडरेशन द्वारा तैयार कृषि और नवीकरणीय ऊर्जा पर रिपोर्ट

एवं वार्षिक संदर्भ पुस्तिका का विमोचन किया। शिवराज सिंह ने बताया कि 2014-15 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उत्पादन 40 प्रतिशत बढ़ चुका है। गेहूँ, चावल, मक्का, मूँगफली में उत्पादन बढ़ रहा है लेकिन अब हमें दलहन-तिलहन के उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए कदम उठाने होंगे। शिवराज

मध्य प्रदेश में अबकी बार मई में 53 जिलों में हुई बारिश, टूटे रिकॉर्ड, प्रदेश में 7 गुना गिरा पानी

भोपाल मध्य प्रदेश में नौतापा में आंधी-बारिश का दौर जारी है। प्रदेश में जून महीने में लू की संभावना नहीं है। आज भी कई हिस्सों में बूँदाबाँदी का अलर्ट जारी किया गया है। जबकि कई जगहों पर दिन का तापमान बढ़ेगा। वहीं कई जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। प्रदेश में ऐसा पहली बार हुआ जब प्रदेश के किसी न किसी जिले में आंधी-बारिश न हुई हो। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत कुल 53 जिले भीगे। मौसम विभाग के अनुसार, मई महीने में बारिश के कई रिकॉर्ड भी टूटे। इंदौर में 139 साल में सबसे ज्यादा 4.6 इंच पानी गिरा।

ओल्ड एज पेंशन के लंबित मामले 15 दिनों में खत्म करें : रविंद्र इंद्राज

नई दिल्ली समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव एवं सहायता मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने सभी जिलों के जिला समाज कल्याण अधिकारियों और संबंधित स्टाफ के साथ बैठक कर ओल्ड एज पेंशन के लंबित मामलों को 15 दिनों में खत्म करने के निर्देश दिए। रविंद्र इंद्राज ने अन्य योजनाओं के लाभार्थियों तक भी लाभ पहुंचाने में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करने के निर्देश दिए। समाज कल्याण मंत्री ने बताया कि उन्होंने जिला कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर लाभार्थियों से चर्चा की। इस दौरान उन्हें शिकायतें भी मिली हैं। रविंद्र इंद्राज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के स्पष्ट निर्देश हैं कि जिला कार्यालय में



आने वाले लोगों और लाभार्थियों को पूरी सुविधा मिले। उनके आवेदनों का तय समय में निस्तारण हो और लाभार्थियों को समय से

पेंशन मिले। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि नवंबर में ओल्ड एज पेंशन की जो वैकेंसी निकली थी, उनके लंबित मामलों का

निस्तारण अगले 15 दिनों के अंदर करें। परिवार सहायता योजना सहित अन्य योजनाओं के लंबित आवेदनों का भी तय

समय में निस्तारण हो और यह अधिकारी सुनिश्चित करें। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि विभाग की पेंशन व अन्य योजनाओं के तहत आने वाला वर्ग गरीब और वंचित तबके से है, उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने यह भी कहा कि जिला कार्यालय सरकार का चेहरा हैं। इसलिए कार्यालय आने वाले आवेदकों और लाभार्थियों का अनुभव अच्छा होना चाहिए। रविंद्र इंद्राज ने कहा कि वह लगातार विभागों के जिला कार्यालय और मुख्यालय के औचक निरीक्षण करेंगे। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवेदनकर्ताओं और लाभार्थियों की शिकायतें मिलें तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई करें।